हरिभूमि रायपुर भूमि

भाठागांव एनीकट पर पानी का स्तर 6 फीट तक पहुंचा

लगातार हो रही बारिश के चलते भाठागांव एनीकट पर पानी का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। रविवार शाम तक एनीकट में पानी 6 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गया। फिलहाल पानी सड़क से लगभग 5 फीट नीचे बह रहा है, जिससे अभी तक यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो आगामी सप्ताहभर में पानी सड़क तक पहुंच सकता है। इस बीच बारिश थमने के बाद बड़ी संख्या में लोग एनीकट के पास पहुंचने लगे हैं। कुछ लोग मछली पकड़ने के लिए भी पानी में उतरते नजर आए, जबकि कई युवा तेज बहाव के बावजूद एनीकट के भीतर उतरकर नहाते और मस्ती करते दिखे। यह स्थिति गंभीर है, क्योंकि पानी का बहाव और गहराई दोनों लगातार बढ़ रहे हैं, इससे किसी भी तरह की अनहोनी की आशंका बनी हुई है।

■ महादेवघाट समेत भाठागांव और काठाडीह एनीकट के डेंजर जोन में लगा रहे डुबकी

■ रविवार को लगातार बारिश के चलते रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर भी बनी रही फिसलन की स्थिति

खारुन अब शबाब पर... कुछ घंटों में एनीकट का 6 फीट तक बढ़ा जलस्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेज बारिश के चलते खारुन नदी एक बार फिर अपने रौद्र रूप में नजर आ रही है। जलस्तर तेजी से बढ़ने के साथ ही नदी में गहरे भंवर बनने लगे हैं। रविवार को हुई बारिश के बाद रायपुर के विभिन्न एनीकट विशेषकर महादेवघाट और भाठागांव में पानी का बहाव खतरनाक स्तर तक पहुंचने लगा है। हरिभूमि ने इन एनीकट का मौके पर जाकर जायजा लिया। तेज बहाव और बढ़ते खतरे के बावजूद बड़ी संख्या में युवा तथा बच्चे यहां नहाते, मौज-मस्ती करते नजर आए। हर साल तेज बहाव में आधा दर्जन से अधिक लोगों की जान चली जाती है, इसके बाद भी लोग लापरवाह नजर ▶▶|शेष पेज 11 पर

5 साल में गई 42 की जान

शहर में एनीकट पर होने वाली मौतों के आंकड़े हर साल बढ़ने लगे हैं, लेकिन व्यवस्था में कोई सुधार होता नहीं दिखाई दे रहा है। बीते पांच साल में भाठागांव और महादेवघाट एनीकट के आसपास 42 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, जिसमें सबसे अधिक मौतें बारिश के दौरान होनी बताई जा रही हैं। हर वर्ष लगभग 4 से 6 लोगों की जान नदी में तेज बहाव से बने गहरे मौत के कुंए में फंसकर चली जाती है।

नई बस्ती राजा तालाब, टैगोर नगर में देवी लक्ष्मी हास्पिटल के सामने पानी भरा

बारिश से सड़कें लबालब, दुपहिया-तिपहिया चालक परेशान, नाली का गंदा पानी बना परेशानी का सबब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में रविवार की सुबह बारिश के चलते रजबंधा मैदान एकात्म परिसर के सामने, टैगोर नगर स्थित देवी लक्ष्मी हास्पिटल, भैरवनगर, भाठागांव से काठाडीह मुख्य मार्ग में जलभराव से लोग परेशान रहे। नाले-नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने से पैदल चलने वाले, दुपहिया और तिपहिया चालकों को परेशानी उठानी पड़ी। समता कालोनी मुख्य मार्ग पर भी कमोबेश यही स्थिति बनी रही। नाला निर्माण का काम अधूरा होने से गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहता रहा। इससे पैदल चलने वालों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। गुढ़ियारी के पुराने अंडरब्रिज और राजा तालाब क्षेत्र की नई बस्ती इलाके में जलभराव से लोग त्रस्त रहे।

हरिभूमि लाइव

शहर में नाले-नालियों की तले तक सफाई पूरी नहीं होने का खामियाजा रविवार को शहरवासियों को उठाना पड़ा। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से प्रोफेसर कालोनी, शीतला नगर, तरूण नगर, आदिवासी कालोनी कुशालपुर के अलावा भाठागांव काठाडीह मुख्य मार्ग से एसटीपी के पास तक सड़क पर गंदा पानी घुटनों तक भरने से आने-जाने वालों को दिक्कत हुई। शहीद पंकज विक्रम वार्ड के टैगोर नगर इलाके में देवी लक्ष्मी हास्पिटल के सामने जलभराव से लोगों को परेशानी हुई। बूढ़ेश्वर मंदिर से पुराना धरनास्थल होते हुए श्याम टाकीज मार्ग की सड़क पर पानी भरने से शहरवासी परेशान रहे। इसी तरह मोतीबाग से बंजारी बाबा के मजार वाले मार्ग पर भी जलभराव की स्थिति देखने को मिली।

भाठागांव से काठाडीह मार्ग पर जलभराव

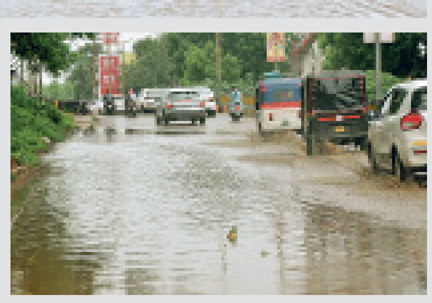

राजधानी में रिमझिम बारिश से ठंडा हुआ मौसम, निकालने पड़े रेनकोट

लंबे समय के बाद राजधानी में हुई रिमझिम बारिश से बरसात का मौसम आने का अनुभव हुआ। सुबह से शुरू हुई बारिश के बाद लोगों को रेनकोट निकालना पड़ा। काफी देर तक होती रही बारिश की वजह से तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई और मौसम पूरी तरह ठंडा हो गया। अगले दो दिन तक यहां वर्षा की संभावना बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर सूरतगढ़, सिरसा, दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, डाल्टनगंज, बांकुरा, दीघा और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में भी अच्छी बारिश हो रही है। रविवार को भी इसका असर नजर आया और कई इलाकों में भारी वर्षा हुई। राजधानी में सुबह से बरसात का दौर शुरू हो गया, जो 11 बजे तक जारी रहा, इसके बाद दोपहर, फिर शाम को भी बादल हल्के रूप से बरसे। यहां अभी भारी बारिश होने का अनुमान कम है, मगर इसका हल्का से मध्यम असर बने रहने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में जिले के गोबरा नवापारा में भारी बारिश हुई, मगर अन्य इलाकों में इसका असर कम रहा है। जिले में अब तक 145 मिमी. बारिश हुई है, जो सामान्य से 34 प्रतिशत कम है। 7 जुलाई को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः उत्तर छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। अभी ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से एक निम्नदाब का क्षेत्र गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उसके आसपास बना हुआ है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए झारखंड और उत्तर छत्तीसगढ़ की ओर अगले दो दिनों में पहुंचने की संभावना है।

■ तापमान में 5 डिग्री की गिरावट, दो सेमी. के करीब वर्षा

बारिश से मैदान में जलभराव, वनरक्षक भर्ती दक्षता परीक्षा टली

■ रायगढ़ एवं धमतरी नोडल वनमंडल में डिजिटल टेक्नॉलॉजी सिस्टम से होनी थी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत रायगढ़ एवं धमतरी नोडल वनमण्डल में वनरक्षक के 1484 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 7 जुलाई को होने वाली दक्षता परीक्षा टल गई है। बताया गया है कि यह परीक्षा जहां होने वाली थी, वहां भारी बारिश के कारण मैदान में पानी भर गया। इस वजह से यह परीक्षा टाल दी गई है।

बताया गया है कि वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत विभिन्न मण्डलों में वनरक्षक के 1484 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु शारीरिक नाप-जोख एवं दक्षता परीक्षण की कार्यवाही 16 नवंबर 2024 से दिसंबर 2024 तक आयोजित की गई थी, जिसमें मैनुअल एवं कृत्रिम प्रकाश में कराए गए अभ्यर्थियों का दक्षता परीक्षण, डिजिटल टेक्नोलॉजी सिस्टम के माध्यम से कराई जानी थी। परीक्षा के लिए तैयारी पूरी कर ली गई थी। इस संबंध में विभाग की ओर से 25 जून को सूचना जारी कर दी गई थी। इस बीच सभी संबंधित अभ्यर्थी तैयारी में जुटे थे, लेकिन बारिश के कारण यहां अब परीक्षा हो पाना संभव नहीं था।

मैदान में अत्यधिक जलभराव

वन विभाग द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि रायगढ़ एवं धमतरी में बारिश होने के कारण दक्षता परीक्षण हेतु चयनित मैदान स्थल में अत्यधिक जलभराव हो गया है, इसलिए रायगढ़ एवं धमतरी नोडल वनमण्डल में 7 जुलाई 2025 से आयोजित दक्षता परीक्षण की कार्यवाही को आगामी निर्देश, आदेश तक स्थगित किया गया है। इन दोनों वनमंडलों में दक्षता परीक्षण आयोजन अलग से तय किया जाएगा। शेष नोडल वनमंडल में भर्ती की कार्यवाही निर्धारित तिथि के अनुसार जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

आईजी-एसएसपी ने ली समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

रायरपुर। राजधानी में घटित अपराधों की रोकथाम के लिए रेंज आईजी अमरेश मिश्रा तथा एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने रविवार को राजपत्रित पुलिस अफसरों के साथ, सभी थानों की टीआई की समीक्षा बैठक ली। आईजी ने पुलिस को आम लोगों के साथ नम्र व्यवहार करने तथा दूसरे थानों से ट्रांसफर होकर आए टीआई को जिम्मेदारी के साथ थाना संभालने निर्देश दिए। साथ ही कानून व्यवस्था बनाए रखने आईजी, एसएसपी ने पुलिस अफसरों के साथ टीआई को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

च्वाइस सेंटर में धावा 95 हजार की चोरी

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र के सिलयारी चौकी इलाके में एक च्वाइस सेंटर के संचालक ने अज्ञात चोर के खिलाफ च्वाइस सेंटर में रखे नकदी 85 हजार रुपए सहित 95 हजार रुपए के सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम रैता में च्वाइस सेंटर संचालित करने वाले विद्याभूषण वर्मा ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। विद्याभूषण ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर उसके च्वाइस सेंटर का ताला तोड़कर सेंटर में लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़कर नकदी तथा अन्य सामान चोरी कर ले गया।

सूदखोर तोमर भाइयों को 14 दिन की मोहलत, पेश नहीं हुए तो संपत्ति कुर्क

■ सूदखोर भाइयों को पकड़वाने पुलिस ने रखा है पांच-पांच हजार रुपए का ईनाम

■ गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस उनके मददगारों के खिलाफ कसेगी शिकंजा

सूदखोर तोमर भाई कर्जदारों से दैनिक और साप्ताहिक के साथ मासिक उगाही करते थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सूदखोर तोमर भाइयों के खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। साथ ही 14 दिन के भीतर थाने पहुंचकर बयान दर्ज कराने का आदेश दिया है। बयान दर्ज कराने नहीं आने पर पुलिस सूदखोर वीरेंद्र तोमर और उसके भाई रोहित तोमर की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई कर सकती है। तोमर भाइयों को पकड़वाने पर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने पहले ही पांच-पांच हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। सूदखोर तोमर भाइयों के खिलाफ डेढ़ महीने के भीतर तेलीबांधा, डीडीनगर, ▶▶|शेष पेज 11 पर

हरिभूमि फॉलोअप

बैंक अकाउंट सीज

सूदखोर भाइयों के बैंक अकाउंट सीज करने पुलिस पहले ही संबंधित बैंक को पत्र लिख चुकी है। इसके अलावा पुलिस ने छापेमारी के दौरान सूदखोर भाइयों के घर से कैश 37 लाख रुपए जब्त करने के साथ ही एक करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के गिरवी रखे जेवर जब्त किए हैं। इसके अलावा कर्जदारों के हस्ताक्षरयुक्त प्रॉपर्टी के पेपर के साथ कोरे स्टांप जब्त किए हैं।

दोनों भाइयों के नेपाल भागने की आशंका

पुलिस के अनुसार, दोनों भाइयों के मोबाइल नंबर बंद हैं। वीरेंद्र तथा रोहित पुलिस कार्रवाई की डर से कुछ दिन उत्तरप्रदेश में छिपे रहे। पुलिस को आशंका है कि दबाव बढ़ने के बाद दोनों भाई उत्तरप्रदेश के रास्ते नेपाल भाग गए हैं। दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उनके परिजनों के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर रखा है। फरार होने के बाद दोनों भाइयों का अब तक अपने परिजनों के साथ संपर्क नहीं हुआ है। इस वजह से भी पुलिस को दोनों भाइयों का लोकेशन ट्रेस करने में परेशानी हो रही है।

सरकारी पर आखिर भरोसा क्यों नहीं

महीने भर में भाग खड़े हुए 133 मरीज 86 ने लिखकर दिया- इलाज नहीं कराएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुराने और सीमित संसाधनों के भरोसे चल रहे आंबेडकर अस्पताल की उपचार व्यवस्था पर असंतोष जताते हुए मरीज यहां से भाग रहे हैं। जून महीने में ही इमरजेंसी के साथ विभिन्न विभागों में भर्ती होने के बाद 133 मरीज बिना बताए अस्पताल छोड़कर चले गए। वहीं 86 ने तो स्वयं की जिम्मेदारी पर लामा लेकर दूसरे अस्पतालों का रुख कर लिया।

हरिभूमि सरोकार

आंबेडकर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में हर महीने तीन हजार से ज्यादा मरीज गंभीर स्थिति में इलाज के लिए भर्ती कराए जाते हैं। जांच के बाद उन्हें आवश्यकता के आधार पर उपचार व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है। जिनकी हालत ठीक होती है, उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया जाता है और गंभीर स्थिति तथा आगे इलाज की जरूरत वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर रखा जाता है। अस्पताल में मरीजों का दबाव काफी अधिक है, इसे देखते हुए यहां सुविधाओं के विस्तार की घोषणा भी की गई, जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। पुरानी मशीनें अक्सर साथ छोड़ देती हैं और अन्य संसाधनों की कमी के कारण इलाज में देर होती है। इससे उपचार में असंतोष पैदा होता है और मरीज आधे इलाज के बाद ही अस्पताल छोड़कर भाग खड़े होते ▶▶|शेष पेज 11 पर

■ इमरजेंसी के अलावा विभिन्न विभागों में भर्ती होने के बाद अस्पताल छोड़ गए मरीज

52 ने दम तोड़ा...

जून महीने में आपात स्थिति में हादसे अथवा किसी अप्रिय घटना का शिकार होकर अस्पताल पहुंचे 52 लोगों ने दम तोड़ दिया। आपात स्थिति में इनके इलाज की प्रक्रिया पूरी की गई, मगर तब तक देर हो चुकी थी और उनकी मृत्यु हो गई। आंबेडकर अस्पताल में 152 ऐसे मरीज भी पहुंचे, जिनका इलाज वहां संभव नहीं था, इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें डीके अस्पताल रेफर किया गया।

न मशीनों की खरीदी न भवन बना

आंबेडकर अस्पताल के मरीजों की सुविधाओं के विस्तार के लिए यहां विभिन्न जांच मशीनें खरीदने के लिए बजट की घोषणा तो की गई थी, मगर खरीदी अब तक शुरू नहीं हो सकी है। पुरानी मशीनें बार-बार बिगड़ रही हैं, जिसे बनवाकर काम चलाया जा रहा है। मरीजों के लिए सात सौ बिस्तर का अतिरिक्त अस्पताल बनाने की घोषणा हुई है, मगर इस पर काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है।

जलविहार कॉलोनीवासी नाराज थाली-चम्मच बजाकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव के चारों ओर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने को लेकर जलविहार कॉलोनी के रहवासियों ने नाराजगी जताई है। अवैध पार्किंग और गार्डन एरिया के व्यावसायिक उपयोग से नाराज लोगों ने चम्मच-थाली बजाकर अनोखा प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि नगर निगम प्रशासन शिकायत के बाद भी इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। रहवासियों ने मैथिलीशरण गुप्त गार्डन को व्यावसायिक गतिविधियों से मुक्त कराने की मांग की है।

■ मरीन ड्राइव में व्यावसायिक गतिविधियों से आक्रोशित

विदित हो कि नगर निगम ने अहमदाबाद की कंपनी को तेलीबांधा तालाब परिसर में रीक्रिएशन जोन विकसित करने अनुबंध किया है। इसके एवज में नगर निगम को अनुबंधित एजेंसी 37 लाख रुपए का भुगतान करती है। साथ ही मरीन ड्राइव पर पाथवे बनाने से लेकर अलग-अलग एरिया में फूड जोन, ▶▶|शेष पेज 11 पर

मातमी जुलूस पर पथराव, पुलिस ने समय रहते स्थिति पर किया कंट्रोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मोहर्रम के अवसर पर निकलने वाले मातमी जुलूस में असामाजिक तत्वों ने व्यवधान उत्पन करने की कोशिश की। मातमी जुलूस में शामिल लोगों ने धैर्य का परिचय देते हुए लाउड स्पीकर पर अनाउंस कर जुलूस में शामिल लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की। अज्ञात बदमाशों ने मातमी जुलूस पर पथराव कर अशांति फैलाने की कोशिश की। घटना आजाद चौक थाना क्षेत्र की है। घटना के बाद किसी ने भी थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

■ आजाद चौक थाना क्षेत्र की घटना, छतों के ऊपर चढ़कर पहरेदारी, पुलिस ने की असामाजिक तत्वों की निगरानी

जानकारी के मुताबिक, रविवार को निकले जुलूस पर किसी असामाजिक तत्व ने ऊपर से पत्थर फेंका। पत्थर से किसी को चोट नहीं आई। पत्थर ▶▶|शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खड़गे की जनसभा, कांग्रेस के बड़े नेताओं में खासा उत्साह, लेकिन मौसम बना बड़ी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का सोमवार को छत्तीसगढ़ दौरा है। यहां वे रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में किसान जवान संविधान जनसभा को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारी भी जोरों पर है। मैदान में बड़े मंच के साथ विशाल पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन इस बीच रविवार को तेज बारिश हुई, जिससे तैयारियों में व्यवधान उत्पन्न हो गया। वहीं मैदान में जलभराव भी हुआ। ऐसी हालत में अगर सोमवार को भी मौसम इसी तरह रहा तो कार्यकर्ताओं को परेशानी हो सकती है। जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ही संगठन के महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल होंगे। मौसम भले ही तैयारियों में खलल डाल सकता है, लेकिन सभा को लेकर कांग्रेस में खासा उत्साह है। 25 हजार से ज्यादा लोगों के पहुंचने की बात पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज समेत कई नेता कह रहे हैं। फिलहाल नेताओं ने यहां पर पूरी व्यवस्था देखी है। तीन वाटरप्रूफ डोम बनकर तैयार हैं। बारिश को देखते हुए वाटरप्रूफ मंच तैयार किया गया है। देखना ये है कि मौसम का कितना साथ कांग्रेस की सभा को मिलता है।

- खड़गे की जनसभा में बारिश से बचने तीन वाटरप्रूफ डोम की व्यवस्था

जनसभा में उठाए जाएंगे ये मामले

कांग्रेस का कहना है कि किसान, जवान और संविधान के ऊपर राज्य तथा केंद्र सरकार लगातार प्रहार कर रही है, इसीलिए इसे किसान जवान संविधान सभा नाम दिया गया है। दूसरा, देश के संवैधानिक संस्थाओं को ताक में रखकर केंद्र सरकार उसका दुरुपयोग भी कर रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध पर कोई रोक-टोक नहीं है। इसको जनता के साथ उठाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। किसानों के लिए पूरे प्रदेश में डीएपी की कमी, खाद की कमी है, इससे किसान दर-दर भटकने के लिए मजबूर हैं। अधिक दाम पर कालाबाजारी में खाद खरीदने को मजबूर हैं। ये मुद्दे सभा में मल्लिकार्जुन खड़गे समेत सभी नेता उठाएंगे।

सीएम साय ने कहा- भविष्य की जरूरत के अनुरूप नवा रायपुर का होगा सुनियोजित विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में आवास एवं पर्यावरण विभाग के विभागीय कामकाज की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के अतंर्गत संचालित कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही कहा कि नवा रायपुर का व्यवस्थित विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है। नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित विकास किया जाएगा।

रेल कनेक्टिविटी के विस्तार पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर का सुव्यवस्थित विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है। नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित विकास किया जाएगा। नवा रायपुर देश की सबसे आधुनिक व खुबसूरत राजधानी है। देश के आईआईएम, ट्रिपल आईटी, नेशनल लॉ विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष शिक्षण संस्थान यहां स्थापित किए गए हैं।

लॉजिस्टिक हब के निर्माण की जरूरत

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतमाला परियोजना के अंतर्गत विशाखापट्टनम को जोड़ने वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण विकास के साथ आयात और निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु नवा रायपुर अटल नगर में एक लॉजिस्टिक हब के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण लगभग 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

मंत्री, सीएस, अफसर हुए शामिल

बैठक में वित्त एवं आवास पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, सचिव आवास एवं पर्यावरण अंकित आनंद, एनआरडीए के सीईओ चंदन कुमार, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त अवनीश शरण, रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ आकाश छिकारा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

बृजमोहन बोले- धारा 370 की समाप्ति से हुआ डॉ. मुखर्जी का सपना साकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पुष्पांजलि कार्यक्रम में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35ए समाप्त कर डॉ. मुखर्जी के सपने को साकार करने का उल्लेखनीय कार्य किया है। डॉ. मुखर्जी भारत को जिस स्वरूप में देखना चाहते थे, मोदीजी ने उन्हें समर्पित किया है। उन्होंने कहा, जब से जनसंघ बना और भाजपा तक लंबा सफर चला। भाजपा का यही संकल्प रहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई जाए और मोदी सरकार ने उसे कर दिखाया। देश की जनता ने भाजपा को इसी बात के लिए जनादेश दिया था। मोदीजी ने उस जनादेश के पालन किया। अब तो भारत यह देख रहा है कि कब पीओके भी भारत में शामिल हो जाए। इस आशय का उद्घोष भी देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत हो चुका है। भारत पीओके लेकर रहेगा।

प्रतिमा पर माल्यार्पण

शारदा चौक स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भव्य प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर पुष्पांजलि भी दी गई। सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, छगनलाल मूंदड़ा,अवतार सिंह बगल, सुभाष अग्रवाल ने पुष्पांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सत्यम दुवा एवं आभार जिला उपाध्यक्ष श्यामा चक्रवर्ती ने किया।

शहीद का सम्मान

भाजपा कार्यालय में डॉ मुखर्जी की जयंती पर अपने संबोधन में रायपुर भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कहा की आजाद भारत के पहले शहीद थे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी। जिन्होंने देश की लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। डॉ मुखर्जी प्रख्यात शिक्षाविद, बैरिस्टर और कोलकाता विश्वविद्यालय के उपकुलपति थे । नेहरू मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री थे इसके बावजूद उन्होंने राष्ट्रवाद का राह चुना। नेहरू मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया।और राष्ट्र के लिए स्वयं को कुर्बान कर दिया । इस लिए देश उन्हें आजाद भारत के पहले शहीद के रूप में सम्मान देता हैं।

ग्राम पौंता में मनाई पं. मुखर्जी की जयंती

रायपुर। जिला रायपुर ग्रामीण के ग्राम पौता में रविवार को पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने डॉ. मुखर्जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने राष्ट्र के लिए किए गए कार्यों जैसे एक संविधान, एक विधान पर सभी अतिथियों ने विशेष रूप से चर्चा की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ प्रकल्प के संयोजक अंजय शुक्ला, जिला प्रभारी संतोष पांडे, जपं उपाध्यक्ष खेलूराम साहू, जिला उपाध्यक्ष संतोष शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष दीपक बैस, जिला कोषाध्यक्ष अरविंद ठाकुर, सभापति विवेक तिवारी सहित सोमेश पाण्डे, संतराम साहू, किशोर साहू, भरत बैस, तोषण साहू, पार्षद रूपनारायण साहू, मीना बाई साहू, संगीता शर्मा, सरपंच गौरव शर्मा, पूर्व जनपद सदस्य किशोर साहू, नत्थू साहू, अनिल अग्रवाल, ईश्वर साहू, राघवेंद्र साहू एवं ग्रामवासी शामिल थे।

पायलट ने कहा- सभा से तय होगी कांग्रेस की दिशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 7 जुलाई को होने वाली 'किसान जवान संविधान सभा' में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल होंगे। कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायजा लेने रविवार को छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट पहुंचे। सचिन पायलट ने कहा, इस कार्यक्रम से कांग्रेस पार्टी की भविष्य की तैयारी पर चर्चा होगी। यहां से तय किया जाएगा कि किस दिशा में कांग्रेस पार्टी को चलना है। संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी का आउटरीच प्रोग्राम भी होगा, जिसमें प्रदेश के सभी गांव-तहसील और शहर में जाकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता लोगों को जोड़ने का काम करेंगे। राज्य और देश में किसानों की हालत खस्ता है। चाहे फसल के दाम की बात हो या फिर खाद की उपलब्धता की। हर तरह से शोषण किसानों का किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा, प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है। आम जनता सरकारी व्यवस्था से परेशान हो चुकी है। इस कार्यक्रम से सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जाएगी।

- प्रदेश के सभी गांव-तहसील और शहर कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों को जोड़ेंगे

नहीं मिल रहा रोजगार

केंद्र सरकार किसानों के खिलाफ तीन काले कानून लेकर आई, जिसे विपक्ष के विरोध के बाद वापस लेना पड़ा। देश में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। अग्निवीर जैसी योजनाएं लाकर युवाओं से नौकरियां छीनी जा रही हैं। जो शिक्षित हैं, उनका भविष्य अंधकार में है।

वोट का अधिकार छीना जा रहा

संविधान को लेकर भाजपा के रुख पर कांग्रेस नेता ने कहा, संविधान को मिटाने का काम किया जा रहा है। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर रिवीजन कराया जा रहा है। आयोग एक माह के भीतर पूरे बिहार के वोटर का रिवीजन कैसे करेगा,। वहां के लोगों के मन में संदेह है कि गरीबों और वंचितों से वोट देने का अधिकार छीना जा सकता है। आयोग की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक व्यक्ति को वोट का अधिकार मिले। विपक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी ने जो सवाल पूछे हैं, उसका जवाब आयोग की ओर से नहीं मिला है।

खबर संक्षेप

दीपक बने छत्तीसगढ़ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के प्रदेश मंत्री

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा के, युवा व्यापारी दीपक शर्मा को छत्तीसगढ़ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। दीपक शर्मा को छत्तीसगढ़ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश मंत्री बनने पर तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र वासियों सहित जनप्रतिनिधिगण, व्यापारी गण, तिल्दा नेवरा रेल्वे सलाहकार समिति आदि द्वारा बधाई दी गई है।

मुस्लिम समाज ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

सिलयारी। मुस्लिम समाज सिलयारी द्वारा दस मोहर्रम इमाम हुसैन की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें क्षेत्र के सभी प्रतिनिधि वा ग्रामवासी सभी ने काफी लोगों के हिस्सा लिए जिसमें धरसीवां क्षेत्र की महिला सभापति जिला पंचायत सदस्य सरोज चंद्रवंशी व सरपंच रुखमनी साहू , जनपद सदस्य विजय कुमार साहू व समाज सेवक दीपक अग्रवाल वा मुस्लिम समाज की महिलाओं एवं समस्त जन व पत्रकार मोहम्मद उस्मान सैफी द्वारा रक्तदान किया गया व सभी रक्तदान करने वालों को सर्टिफिकेट और गिफ्ट प्रदान कर शिविर का सफलतापूर्वक 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान कर आयोजन को सफल बनाया।

राम पंजवानी को सांसद प्रतिनिधि बनने पर लोगों ने दी बधाई

तिल्दा-नेवरा। सांसद प्रतिनिधि बनने के बाद राम पंजवानी सांसद बृजमोहन अग्रवाल से पहुंचे मिलने जिला पंचायत सभापति सहित अन्य लोग भी रहे उपस्थित। तिल्दा नेवरा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल का प्रतिनिधि भाजपा नेता राम पंजवानी को बनाया गया है। जिसके बाद आज राम पंजवानी सांसद बृजमोहन अग्रवाल से रायपुर उनके निवास मिलने पहुंचे और उन्हें सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार 80 रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला - रायपुर तहसील - रायपुर प.ह.न. - 00070 टिकरापारा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202425440725600393

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00070 के अंतर्गत ग्राम टिकरापारा के वर्तमान भूमिस्वामी भावना लोखण्डे पिता/पति - सुरेश लोखण्डे पता - टिकरापारा रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 105/88 (0.0024) में प्रस्तावित भूमिस्वामी / क्रेता गुलाबराय खटवानी पिता/पति स्व. केवलराम खटवानी पता - देवपुरी रायपुर छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/07/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/07/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — **नायब तहसीलदार** Jyoti Singh
रायपुर

विधायक शर्मा ने पौधा लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

धरसींवा धान उपार्जन केंद्र में आयोजित एक प्रेरणादायक कार्यक्रम में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर मां के नाम एक पेड़ अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्राधिकृत समिति अध्यक्ष कौशल साहू ने विधायक का आत्मीय स्वागत किया। विधायक अनुज शर्मा ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा आज हम सब यहाँ एक विशेष उद्देश्य के लिए एकत्र हुए हैं। यह सिर्फ एक पौधा लगाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमारी धरती मां और हमारी अपनी मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक जरिया है। मेरी मां ने मुझे जीवन दिया, मुझे संस्कार दिए और मुझे हमेशा दूसरों के लिए कुछ अच्छा करने की प्रेरणा दी।

जनपद अध्यक्ष शकुंतला ढीलेन्द्र सेन,जनपद उपाध्यक्ष दिनेश खूंटे, पूर्व मण्डल अध्यक्ष डाक्टर के के वर्मा,नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद साहू, भाजपा नेत्री किरण साहू, धरसींवा सरपंच साहिल खान, प्राधिकृत समिति अध्यक्ष कौशल साहू, शाखा प्रबंधक चक्रधारी सिंह ठाकुर, समिति पर्यवेक्षक भोला प्रसाद सोनी सहित किसान मौजूद रहे।

कृषि साख समिति ने पौधारोपण किया

अभनपुर। विश्व सहकारिता दिवस के अवसर पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां सारखी, टेकारी एवं ढोड़रा में वृहद पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष खेलूराम साहू, मंडल अध्यक्ष किशोर साहू, खनिज न्यास सदस्य राघवेन्द्र साहू, उपसरपंच बिहारी लाल साहू, पत्रकार ईश्वर साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरपंचगण एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ सैकड़ों पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में व्यवस्थापक पुष्पेन्द्र सिन्हा, देवानंद शर्मा, अजय सिन्हा सहित समिति सदस्यों एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय सहयोग रहा।

सहकारी समिति खैरखूंट ने किया पौधा रोपण

तरपोंगी। प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति खैरखूंट द्वारा सोसायटी परिसर में मां के नाम एक पेड़ का पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, सोसायटी अध्यक्ष रोमलाल साहू, खैरखूंट सरपंच यशोदा साहू, उपसरपंच कमलेश साहू, पंच अनीता साहू, सगुनी सरपंच रजत कश्यप, उप सरपंच ज्ञानदास मानिकपुरी, सुंगेरा सरपंच तारण दास साहू, उप सरपंच शिव सेन, पूर्व जनपद सदस्य रतन चन्द निषाद,पूर्व सरपंच शिव कुमार हनुमंता, भूत पूर्व सरपंच पुरषोत्तम निषाद, संपत लाल साहू, तुलसी राम वर्मा,नंदकुमार साहू, समिति प्रबंधक श्रीचंद निर्मलकर, कंप्यूटर ऑपरेटर कुपेश्वर वर्मा, खोमलाल निषाद, सत्या यादव राजू वर्मा,कौशलेश साहू,बिसाहू साहू आदि सभी ने पौधा रोपण कर सुरक्षा की जिम्मेदारी ली।

खोरपा में एक पेड़ नाम के नाम पौधारोपण किया गया

अभनपुर। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति खोरपा में एक पेड़ नाम के नाम पौधारोपण किया गया। विश्व सहकारिता दिवस के उपलक्ष्य पर स्थानीय जनप्रतिनिधियो द्वारा समिति प्रांगण में पौधारण रोपण कर पौधो को सुरक्षित व संरक्षित रखने का संकल्प लिया। उपस्थित जनप्रतिनिधियो ने कहा कि मां हमे जीवन देती है वैसे ही पेड़ भी धरती को जीवन देता है। जब हम पौधा का रोपण करते है तो वही सिर्फ हरियाली नही फैलाता बल्कि यह हमारे संस्कार, भावनाओ और जिम्मेदारिओं को भी जीवित रखता है। इस अवसर पर सरपंच मीनू चुम्मन ध्रुव, उप सरपंच रमेश साहू, प्राधिकृत अधिकारी छबि राम साहू, समिति प्रबंधक हीरामन लाल साहू , परिक्षेत्र साहू समाज अध्यक्ष रामसिंग साहू, सचिव रमेश साहू, शाखा प्रबंधक जिला सहकारी एसएन साहू, पंच सुरेंद्र पटेल, धनेश धीवर, मंजू साहू कृष्णा निर्मलकर,नंदनी ध्रुव, सीता देवांगन, संतोषी साहू, मोतिम साहू, शेषनारायण साहू, गेंदू पटेल,पन्नालाल साहू, दिलीप साहू, कौशल साहू, मनोहर साहू, ऑपरेटर टिकेश्वर धीवर ,दूजेंद्र साहू, सुशील बघेल, भूपेंद्र साहू,जितेश यादव ,बलराम साहू ,संतोष साहू, धनेश साहू,उमेश निर्मलकर व आदि लोग उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला रायपुर ग्रामीण द्वारा नवारायपुर के ग्राम पौता में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मुखर्जी के जीवन चरित्र एवं एक राष्ट्र, एक संविधान, एक विधान जैसे उनके विचारों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजयुमो जिला महामंत्री व सरपंच गौरव शर्मा द्वारा अपने पिता स्व. ललित शर्मा की पुण्य स्मृति में ग्रामवासियों को टॉर्च वितरण किया गया साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप पूर्व मंत्री चन्द्रशेखर साहू, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ संयोजक अजय शुक्ला, जिला प्रभारी अशोक पाण्डे, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष खेलू राम साहू, जिला उपाध्यक्ष संतोष शुक्ला, दीपक बैस,सरपंच संघ जिला अध्यक्ष अरविंद ठाकुर, सभापति विवेक तिवारी, संतराम साहू, मंडल अध्यक्ष किशोर साहू, मंडल अध्यक्ष भरत बैस,मंडल अध्यक्ष तोषण साहू, पार्षद रूपनारायण साहू, मीना बाई साहू, संगीता शर्मा, वरुण राठी, पूर्व जनपद सदस्य किशोर साहू एवं नत्थू साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उत्पल साहू, विजय सिन्हा, रोहित कुर्रे, ईश्वर साहू, खनिज न्यास सदस्य राघवेंद्र साहू, सतीश निषाद, झड़ी पटेल, मानसिंह ध्रुव, कुशल यादव, महेन्द्र सेन सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नपं. कूंरा में खेत मार्ग हुआ सुगम, किसानों ने जताया आभार

धरसीवां। नगरपंचायत कूंरा के किसान काफी लंबे समय से माणिकंचन रोड से होकर लीला बांधा खेत खलिहान के लिए कीचड़ से मिट्टी रोड से होकर जाया करते थे। जिससे किसान अपने खेत तक पहुंचते तक काफी कठिनाइयों का सामना कर खेतों तक पहुंचते थे। नगर के किसानों ने बताया कि 25 वर्ष हो गए कूंरा को नगर पंचायत का दर्जा मिले पर पूर्व के कोई भी अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि किसानों के हित एवं उनके परेशानियों को नहीं समझे पर नया अध्यक्ष गोविंद साहू ने सभी पार्षदो अपने साथ लेकर नगर हित में प्रमुख कार्यो को प्राथमिकता देते हुए सर्व प्रथम किसानों के खेत आने जाने वाले मिट्टी वाले सड़क पर मुरम डालकर परेशानियों को दूर किया है। इस कार्य को लेकर किसानों ने काफी खुशी जाहिर किया है। उक्त कार्य को सफलता दिलाने अध्यक्ष गोविंद साहू , उपाध्यक्ष राजा भैया के साथ पार्षद प्रतिनिधि योगेश साहू , मोहन प्रजापति , जगमोहन घृतलहरे, पार्षद प्रधान देवांगन, ईश्वर याद, पूर्व पार्षद प्रेमलाल पाल , किसान बलदाऊ साहू , मुन्ना पाल, कप्तान खान, मुन्ना देवांगन, लक्ष्मण पाल, भीम देवांगन, ओमप्रकाश पाल, कन्हैया सिंहा, विष्णु देवांगन, संतु कोसले, कालीशंकर देवांगन, सत्तू देवांगन, तुलाराम देवांगन सहित उक्त एरिया के किसान जन बड़ी संख्या उपस्थित रहे।

पेज 09 के शेष ...

खारुन अब शबाब पर...

आते हैं। महादेवघाट और भाठागांव एनीकट पर वर्तमान में जलस्तर सड़क से लगभग 15 से 20 फीट है। बावजूद इसके बच्चे न सिर्फ बहाव में नहा रहे हैं, बल्कि मछलियां पकड़ने तक का जोखिम भी उठा रहे हैं। कई पर्यटक मनोरम दृश्य देखने और तस्वीरें खींचने के लिए एनीकट के बेहद करीब तक पहुंच जा रहे हैं, जिससे किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है।

स्टेशन के प्लेटफार्म पर बारिश के बाद फिसलन : लगातार हो रही बारिश के चलते रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर फिसलन की स्थिति बन गई है। प्लेटफार्म नंबर-1 और 7 पर यह समस्या सबसे ज्यादा देखी गई, जहां पानी गिरने के बाद से यात्रियों को चलने में कठिनाई हो रही थी। बारिश के दौरान स्टेशन के शेड से पानी सीधे प्लेटफार्म पर गिरता है, जिससे फिसलन बढ़ जाती है। प्लेटफार्म नंबर-7 पर अलग-अलग स्थानों पर पानी जमा होता नजर आया। बारिश थमने के बाद भी प्लेटफार्म पर पानी की उपस्थिति बनी रही, जिससे यात्रियों को संभलकर चलना पड़ा।

सरकारी पर आखिर...

हैं। सूत्रों के अनुसार, जून महीने में आपात स्थिति में इलाज के लिए पहुंचे 133 लोगों ने आंबेडकर अस्पताल छोड़ने के लिए प्रबंधन को सूचना देने की आवश्यकता ही नहीं समझी। दूसरी ओर भर्ती होने के दौरान इलाज में देर सहित अन्य समस्याओं की वजह से स्थिति गंभीर होने के बाद भी 86 मरीजों ने स्वयं की रिस्क पर अस्पताल छोड़ना उचित समझा।

जलविहार कॉलोनीवासी नाराज...

योगा जोन के अलावा मैथिलीशरण गार्डन में जगह-जगह झूले लगा रखे हैं। इस बात को लेकर महापौर मीनल चौबे ने हाल ही में निगम के अधिकारियों को 24 घंटे के अंदर गार्डन क्षेत्र से सभी झूले हटाने अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद भी गार्डन क्षेत्र को व्यावसायिक गतिविधियों से मुक्त नहीं किया जा सका है। महापौर ने कहा है कि एक माह के भीतर तेलीबांधा तालाब कैंपस के गार्डन को यथावत कर आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

सूदखोर तोमर भाइयों को...

पुरानी बस्ती थाने में जबरन वसूली, मारपीट और सूदखोरी के पांच-पांच अपराध दर्ज किए गए हैं। रोहित तोमर के खिलाफ तेलीबांधा में मारपीट का मामला दर्ज हुआ और पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची, तब से रोहित के साथ उसका बड़ा भाई वीरेंद्र फरार चल रहे हैं। दोनों सूदखोर भाइयों को पकड़ने पुलिस उनके छिपने के संभावित ठिकानों पर छापा मारने गई, लेकिन दोनों भाई कहीं नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की। सूत्रों के मुताबिक, तोमर भाइयों की संपत्ति की पहचान करने पुलिस ने राजस्व विभाग को पत्र लिखा है। सूदखोर भाइयों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस उनके मददगारों के खिलाफ शिकंजा कसेगी।

मातमी जुलूस पर...

गिरने से कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति निर्मित हुई। जुलूस में शामिल कुछ लोगों ने स्थिति को संभालते हुए लोगों को शांति बनाए रखने अपील की। घटना की जानकारी मिलने के बाद आजाद चौक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पत्थर फेंकने वाले तत्व की जानकारी जुटाने की कोशिश की, लेकिन इस बारे में पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इसके बाद पुलिस ने आसपास के घरों की छत पर चढ़कर मातमी जुलूस की निगरानी की।

HEALTH TOWN

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टिलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसील फायमोसिस का ईलाज
मेडिसीन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा

डॉ. वैभव राज सिंह
एमबीबीएस एम.एस.- लेज़र व दूरबीन सर्जन
(MBBS, MS Surgery)
Laporoscopic Laser Surgeon
Call 9890716410

LASER PILES लेजर पाईल्स क्योर
पाल्स, फिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी

श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल दही हाण्डी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

सीए फाइनल में आदित्य का शहर में दूसरा स्थान

रायपुर। सीए फाइनल परीक्षा के दोनों ग्रुप में एक साथ उत्तीर्ण कर 21 वर्षीय छात्र आदित्य सिंघानिया ने 67 प्रतिशत अंक हासिल किए और शहर में दूसरा स्थान प्राप्त किया। आदित्य का कहना है कि जल्द शुरुआत और शांत दिमाग ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने पीडब्ल्यूसी बिग फोर और मिड-साइज कंपनी में आर्टिकलशिप करते हुए ऑनलाइन कोचिंग के साथ घर में नियमित 8 घंटे पढ़ाई की। वे भूतपूर्व जीएसटी बार के अध्यक्ष और अधिवक्ता आलोक अग्रवाल के पुत्र हैं।

निधन

नवीन जेम्स

रायपुर। अवंति विहार निवासी नवीन जेम्स (42) का 6 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सेंट पॉल्स कैथड्रल प्रभु की वाटिका अरविंद नगर में किया गया। वे एमएल जेम्स के पुत्र, एलिजा के पति तथा बेबी क्यूटी के पिता थे।

सुधाकर राव रोहनकर

रायपुर। देवेंद्र नगर निवासी सुधाकर राव रोहनकर (82) का 6 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 7 जुलाई को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे अनिल रोहनकर के पिता थे।

रामगोपाल शर्मा

रायपुर। धमतरी के रामपुर वार्ड निवासी रामगोपाल शर्मा (90) का 6 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 7 जुलाई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से शांतिघाट के लिए निकलेगी। वे अश्वनी शर्मा, दीपक शर्मा, विजयलक्ष्मी शर्मा व रेखा तिवारी के पिता थे।

मनहरण लाल पांडेय

रायपुर। न्यू पेंशन बाड़ा कॉलोनी निवासी मनहरण लाल पांडे (सिमगा वाले) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 7 जुलाई को सुबह 11 बजे निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे सीएमएचओ दफ्तर के लेखापाल नितिन पांडे, नीतेश पांडे के पिता एवं पल्लवी पांडे के ससुर थे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस की शुरुआत बस्तर-सरगुजा से, वाहन मालिकों को सरकार देगी वित्तीय सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना की शुरुआत राज्य के सबसे पिछले और दूरस्थ इलाकों बस्तर एवं सरगुजा संभाग से होगी। खास बात ये है कि इस योजना के तहत चलाई जाने वाली बसों के मालिकों को सरकार तीन साल तक वित्तीय सहायता भी देगी। गाड़ी वालों को यह राशि ऑनलाइन उनके बैंक खातों में दी जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में इस योजना को संचालित करने का निर्णय लिया गया था। सरकार अब योजना के क्रियान्वयन के लिए आगे कदम बढ़ा रही है। इस संबंध में सामान्य दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

बसों में लगेगी सीएम साय की तस्वीर, गाड़ियों में सुरक्षा के लिए पैनिक बटन

बसों पर लगेगी सीएम साय की फोटो

इस योजना के तहत चलने वाली बसों की अलग पहचान भी होगी। योजना अंतर्गत जारी किए गए अनुज्ञापत्र से आच्छादित वाहनों में अनुज्ञा पत्र प्राप्त करने के दिन से 7 दिवस के भीतर वाहन की बॉडी पर दोनों ओर बाहरी भाग पर वाहन की लंबाई अनुसार सफेद रंग के रिफ्लेक्टिव टेप (रजियन) की पट्टी पर गहरे नीले रंग से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना लिखा जाएगा। इस पट्टी के आधे भाग पर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन की निर्धारित फोटो तथा पश्चात भाग (पीछे) पर परिवहन विभाग संबंधी लोगो (चिन्ह) लगाया जाना अनिवार्य होगा। पट्टी की चौड़ाई 25 सेंटीमीटर और ऊंचाई में अक्षरों का आकार 20 सेंटीमीटर होगा, जिसे 25 मीटर दूरी से साफ-साफ पढ़ा जा सके। उक्त लोगो एवं नाम दोनों रिफ्लेटिव टेप (रेडियम) के माध्यम से लिखाना होगा।

18 से 42 सीटर बसें, पैनिक बटन भी होंगे : बताया गया है कि इस योजना के तहत 18 से 42 बैठक क्षमता (चालक को छोड़कर) के वाहनों को इस योजना के तहत अनुज्ञापत्र एवं सुविधा प्रदान की जाएगी। ऐसे सभी वाहन प्राधिकृत वीएलटीडी निर्माता, डीलर द्वारा उपलब्ध वीएलटीडी डिवाइस एप पैनिक बटन से युक्त होंगे।

गाड़ी वालों को वित्तीय सहायता भी

योजना के अंतर्गत संचालित वाहनों को राज्य शासन द्वारा अधिकतम विशेष वित्तीय सहायता प्रथम वर्ष के लिए 20 रुपए प्रति किमी, द्वितीय वर्ष के लिए 24 रुपए प्रति किमी तथा अंतिम तृतीय वर्ष के लिए 22 रुपए प्रति किमी दी जाएगी, जिसमे न्यूनतम बीड करने वाले आवेदक को योजना के तहत अग्रिम कार्यवाही के लिए चुना जाएगा।

बस्तर-सरगुजा से होगी शुरुआत

परिवहन विभाग के अनुसार प्रथम चरण में यह योजना सरगुजा एवं बस्तर संभाग के जिलों में लागू की जाएगी। इस संबंध में शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता एवं मासिक कर से पूर्णतः छूट अनुज्ञापत्र (परमिट) प्राप्ति दिनांक से अधिकतम 3 वर्ष की अवधि के लिए दी जाएगी। योजना में लाभार्थियों के चयन के लिए निविदा की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसमें अधिकतम वित्तीय सहायता की दर से न्यूनतम बीड करने वाले आवेदकों को इस योजना के अधीन बस संचालन के लिए अनुज्ञा पत्र प्राप्त करने क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार की अग्रिम कार्यवाही के लिए चयनित किया जाएगा।

175वीं बार रक्तदान कर नंबर वन बने राजधानी के नवनीत

रायपुर। निर्धारित नियम के मुताबिक 90 दिन के अंतराल में नियमित रूप से रक्तदान कर राजधानी के नवनीत झा नंबर बन गए हैं। एक व्यक्ति ने अपने जीवन में 185 बार रक्तदान कर विश्व रिकार्ड बनाया गया है। महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन रायपुर के सचिव, सामाजिक कार्यकर्ता नवनीत झा को देश में 175वीं बार रक्तदान करने वाले पहले शख्स होने का दावा किया गया है। रक्तदान जीवनदान है, क्योंकि रक्त का उत्पादन नहीं किया जा सकता। जरूरतमंदों के लिए इसकी पूर्ति रक्तदाताओं से मिलने वाले दान के माध्यम से की जाती है। राजधानी रायपुर के निवासी नवनीत झा ऐसे ही शख्स हैं, जो 18 साल की आयु से नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। उनके द्वारा विभिन्न रक्तदान शिविर के साथ रेडक्रॉस ब्लड बैंक में भी जाकर नियमित रूप से रक्तदान किया गया है। 175वीं बार रक्ततदान के दौरान आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रक्तदाता नवनीत झा को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय महासचिव लोकेश कावड़िया, अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक जैन, प्रदेश अध्यक्ष वीर राजेंद्र जैन, रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष वीर अशोक मुकीम, सचिव नवनीत झा उपस्थित थे।

- 90 दिन के अंतराल में वर्षों से कर रहे नियमित रक्तदान

बसाहट के बीच बायोगैस प्लांट लगाने का विरोध, आपत्ति के बाद हस्ताक्षर अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उद्योगों के प्रदूषण का सामना करने वाले बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में बायोगैस प्लांट लगाने की सुगबुगाहट शुरू होने के साथ ही विरोध की सरगर्मी तेज हो गई है। निगम प्रशासन ने मामले को लेकर शासन-प्रशासन को अवगत कराने के बाद रायपुर निगम आयुक्त के पास भी आपत्ति दर्ज कराई है। इसके बाद बायोगैस प्लांट को घनी आबादी के बीच से दूसरे क्षेत्र में शिफ्ट करने के लिए महापौर ने अब प्रभावित वार्डों में हस्ताक्षर अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है।

- बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में अब विरोध की सरगर्मी से जुड़ने लगे वार्डवासी

रायपुर और बिरगांव निगम के कुल 110 वार्डों से रोज निकलने वाले कचरे का स्थाई निदान करने की कवायद एक बार फिर फाइलों में गुम होने की कगार पर है। ऐसा इसलिए होगा, क्योंकि अभी तक काम शुरू भी नहीं हुआ और भावी समस्याओं को देखते हुए बिरगांव निगम क्षेत्र के रहवासियों ने इसका विरोध भी शुरू कर दिया है। त्रिपक्षीय एमओयू के बाद प्लांट लगाने के लिए बिरगांव निगम के रावांभाठा वार्ड में स्थित करीब 10 एकड़ सरकारी जमीन का चिन्हांकन किया गया है। प्लांट लगने से दुर्गंध और प्रदूषण का ग्राफ बढ़ेगा। इसके मद्देनजर बिरगांव निगम ने सामान्य सभा में कविता सिक्ली, नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू सहित सभी एमआईसी मेंबर्स ने प्लांट का विरोध किया। सभी ने जनता को नई समस्या से बचाने के लिए विरोध जताने सहमति दी। इस प्रोजेक्ट को दूसरे क्षेत्र में शिफ्ट करने की मांग जिम्मेदार करने लगे हैं।

वार्डों की आबादी होगी प्रभावित

प्रतिनिधियों का तर्क है कि राज्य औषधि भंडारण केंद्र के पास ही सामुदायिक अस्पताल और इससे जुड़े बंजारी माता वार्ड में कई प्राइवेट तथा सरकारी स्कूल हैं। इसके अलावा प्लांट लगाने के लिए तय जमीन घनी बसाहट के बीच है। बायोगैस प्लांट और कचरे की बदबू से आसपास के लोगों का जीना दूभर होना तय है। वार्ड 10, 11, 12, 13 और 14 में निवास करने वाली करीब 30 हजार से ज्यादा की आबादी सीधे तौर पर इससे होने वाले प्रदूषण से प्रभावित होगी। रायपुर निगम द्वारा सकरी में बनाए गए प्लांट की स्थिति को देखते हुए बायोगैस प्लांट का विरोध किया जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर पार्षद जनहित में एकमत हैं।

वार्डवासी भी विरोध करने सहमत

बायोगैस प्लांट के लिए रावांभाठा में जिस सरकारी जमीन का चयन किया गया है, उससे 5 वार्डों की जनता की सेहत पर असर पड़ने वाला है। रायपुर निगम में आपत्ति करने के बाद जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे।

- नंदलाल देवांगन, महापौर, ननि बिरगांव

250 मीट्रिक टन कचरे की होगी खपत

इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एजेंसियों ने सौ करोड़ का निवेश कर सीबीजी प्लांट लगाने की सहमति सरकार से ली है। संयंत्र की क्षमता 100 से 150 टन प्रतिदिन होगी। सीबीजी संयंत्रों में जैव ईंधन के उत्पादन में हर दिन 200-250 मीट्रिक टन ठोस कचरे की खपत होगी। इसे बिरगांव के 40 और रायपुर निगम के 70 वार्डों से प्लांट तक परिवहन कर लाया जाएगा। इससे क्षेत्र में फैलने वाली दुर्गंध और प्रदूषण का डर सताने लगा है। इस संयंत्र में हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से युवाओं को काम मिलेगा। शासन को हर साल जीएसटी मिलेगा, लेकिन वार्डों की आबादी को दिन-रात प्लांट संचालित होने से प्रदूषण मिलेगा।

भंसाली बने रायपुर सराफा एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष

रायपुर। रायपुर सराफा एसोसिएशन की आमसभा राजधानी में रविवार को हुई, जिसमें आगामी 3 साल के कार्यकाल के लिए नए पदाधिकारियों का चयन किया जाना था। अध्यक्ष पद के लिए हरखचंद मालू, संजय कानूगा, अशोक गोलछा और उत्तम गोलछा का नाम सभा में प्रस्तावित हुआ। वरिष्ठजनों ने आपसी सहमति बनाने का प्रयास किया, जो सफल रहा। पूर्व में आए अध्यक्ष पद के दावेदारों ने धरमचंद भंसाली के नाम पर सहमति जताई। साथ ही अपना नाम वापस ले लिया। चुनाव अधिकारी ने सर्वसम्मति से धरमचंद भंसाली को अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की। रायपुर सराफा एसोसिएशन के नए अध्यक्ष धरमचंद भंसाली बनाए गए हैं। वे अपने अनुसार उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्ति करेंगे। चुनाव अधिकारी नरेंद्र दुग्गड़ व प्रकाश गोलछा ने आमसभा में सर्वसम्मति से धरमचंद भंसाली को अध्यक्ष पद के लिए नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें अपने अनुसार रायपुर सराफा एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी नियुक्त करने का अधिकार दिया। इसके बाद सभा को अध्यक्ष सुरेश भंसाली, शिवराज भंसाली, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के महासचिव प्रकाश गोलछा, उत्तमचंद गोलछा, संजय कानूगा, प्रदीप घोरपड़े ने संबोधित किया।

- अध्यक्ष पद के लिए सभा से प्रस्तावित हुए थे चार नाम

न्यायालय नायब तहसीलदार 80 रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ :- जिला - रायपुर तहसील - रायपुर प.ह.न. - 00070 टिकरापारा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202425440725600393

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00070 के अंतर्गत ग्राम टिकरापारा के वर्तमान भूमिस्वामी भावना लोखण्डे पिता/पति - सुरेश लोखण्डे पता - टिकरापारा रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 105/88 (0.0024) में प्रस्तावित भूमिस्वामी / क्रेता गुलाबराय खटवानी पिता/पति स्व. केवलराम खटवानी पता - देवपुरी रायपुर छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/07/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/07/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार Jyoti Singh
रायपुर

पेज 09 के शेष ...

खारुन अब शबाब पर...

आते हैं। महादेवघाट और भाठागांव एनीकट पर वर्तमान में जलस्तर सड़क से लगभग 15 से 20 फीट है। बावजूद इसके बच्चे न सिर्फ बहाव में नहा रहे हैं, बल्कि मछलियां पकड़ने तक का जोखिम भी उठा रहे हैं। कई पर्यटक मनोरम दृश्य देखने और तस्वीरें खींचने के लिए एनीकट के बेहद करीब तक पहुंच जा रहे हैं, जिससे किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है।

स्टेशन के प्लेटफार्म पर बारिश के बाद फिसलन : लगातार हो रही बारिश के चलते रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर फिसलन की स्थिति बन गई है। प्लेटफार्म नंबर-1 और 7 पर यह समस्या सबसे ज्यादा देखी गई, जहां पानी गिरने के बाद से यात्रियों को चलने में कठिनाई हो रही थी। बारिश के दौरान स्टेशन के शेड से पानी सीधे प्लेटफार्म पर गिरता है, जिससे फिसलन बढ़ जाती है। प्लेटफार्म नंबर-7 पर अलग-अलग स्थानों पर पानी जमा होता नजर आया। बारिश थमने के बाद भी प्लेटफार्म पर पानी की उपस्थिति बनी रही, जिससे यात्रियों को संभलकर चलना पड़ा।

सरकारी पर आखिर...

हैं। सूत्रों के अनुसार, जून महीने में आपात स्थिति में इलाज के लिए पहुंचे 133 लोगों ने आंबेडकर अस्पताल छोड़ने के लिए प्रबंधन को सूचना देने की आवश्यकता ही नहीं समझी। दूसरी ओर भर्ती होने के दौरान इलाज में देर सहित अन्य समस्याओं की वजह से स्थिति गंभीर होने के बाद भी 86 मरीजों ने स्वयं की रिस्क पर अस्पताल छोड़ना उचित समझा।

जलविहार कॉलोनीवासी नाराज...

योगा जोन के अलावा मैथिलीशरण गार्डन में जगह-जगह झूले लगा रखे हैं। इस बात को लेकर महापौर मीनल चौबे ने हाल ही में निगम के अधिकारियों को 24 घंटे के अंदर गार्डन क्षेत्र से सभी झूले हटाने अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद भी गार्डन क्षेत्र को व्यावसायिक गतिविधियों से मुक्त नहीं किया जा सका है। महापौर ने कहा है कि एक माह के भीतर तेलीबांधा तालाब कैंपस के गार्डन को यथावत कर आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

सूदखोर तोमर भाइयों को...

पुरानी बस्ती थाने में जबरन वसूली, मारपीट और सूदखोरी के पांच-पांच अपराध दर्ज किए गए हैं। रोहित तोमर के खिलाफ तेलीबांधा में मारपीट का मामला दर्ज हुआ और पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची, तब से रोहित के साथ उसका बड़ा भाई वीरेंद्र फरार चल रहे हैं। दोनों सूदखोर भाइयों को पकड़ने पुलिस उनके छिपने के संभावित ठिकानों पर छापा मारने गई, लेकिन दोनों भाई कहीं नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की। सूत्रों के मुताबिक, तोमर भाइयों की संपत्ति की पहचान करने पुलिस ने राजस्व विभाग को पत्र लिखा है। सूदखोर भाइयों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस उनके मददगारों के खिलाफ शिकंजा कसेगी।

मातमी जुलूस पर...

गिरने से कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति निर्मित हुई। जुलूस में शामिल कुछ लोगों ने स्थिति को संभालते हुए लोगों को शांति बनाए रखने अपील की। घटना की जानकारी मिलने के बाद आजाद चौक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पत्थर फेंकने वाले तत्व की जानकारी जुटाने की कोशिश की, लेकिन इस बारे में पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इसके बाद पुलिस ने आसपास के घरों की छत पर चढ़कर मातमी जुलूस की निगरानी की।

चकल्लस

शराब में मिलावट

छत्तीसगढ़ में पिछली सरकार के पूरे कार्यकाल में शराब के घोटाले चलते रहे। नतीजा ये कि अब भी घोटाले से जुड़े लोग जेल की हवा खा रहे हैं, लेकिन इन कार्रवाईयों का कोई भी असर नहीं दिखता। वर्तमान में एक शराब दुकान का सुपरवाइजर मिलावटी, बिना होलोग्रॉम वाली शराब बेचने के मामले में पकड़ा गया है। यहां तक तो सब ठीक है। आगे की सुनिए। ये सुपरवाइजर पहले ही ब्लैक लिस्टेड था, नकली दस्तावेज के आधार पर उसे फिर से काम पर रखा गया था, सवाल ये है कि ये सब क्यों किया गया? खबरी को पता चला है कि वह सुपरवाइजर पिछली सरकार के समय से यही सब करने का अनुभवी था

एजेंसी को कौन बचा रहा है

मिलावटी शराब बेचने वाला सुपरवाइजर गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके पीछे का खेल गजब ही है। शराब दुकानों में मैन पावर सप्लाई करने वाली बीआईएस कंपनी भर्ती के नाम पर पैसे लेती है। पैसे देकर शराब दुकान पर काम करने वालों की तनख्वाह भी मामूली होती है। उसके बाद एजेंसी के अफसर इस तरह के काम कराते हैं। इसके बाद भी आबकारी विभाग के अफसर, पुलिस, इलाके के गुंडे और मीडिया के लोगों को भी खुश करना पड़ता है। ऐसे में सुपरवाइजर क्या करे...वह शराब में पानी ही मिलाएगा। पकड़े जाने पर वह जेल चला गया, लेकिन एजेंसी का बाल बांका नहीं होता। उसे कोई बचा लेता है।

ये हिसाब अच्छा है

हमारे यहां हर साल बड़ी मात्रा में धान पैदा होता है, हजारों करोड़ की धान खरीदी होती है। जाहिर है, इतने बड़े सौदे में कुछ छोटी-मोटी गड़बड़ियां, करोड़ों रुपयों की धान चोरी, शार्टेज वगैरह से होती हैं। हिसाब मिलाने पर हर साल ये बातें सामने आती है कि अब तक करोड़ों का वारा-न्यारा हो गया। खबरी ने पता लगाया कि इस तरह के मामलों का निपटारा कैसे होता है। एक साहब ने इसका हिसाब समझाया। उन्होंने बताया, होता ये है कि जितना धान कम होता है या गायब होता है, उसकी मात्रा निकालकर ये मान लिया जाता है कि इतनी मात्रा में धान खरीदा ही नहीं गया था। बात खत्म, ये हिसाब जाहिर तौर पर बहुत अच्छा है।

डॉक्टर हैं या शक्तिमान

बचपन में एक सीरियल आता था-शक्तिमान। उसमें शक्तिमान गोल-गोल घूमकर पलभर मे कहीं भी पहुंच जाता था। लगता है कुछ डॉक्टर शक्तिमान बन गए हैं। डॉक्टर सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं, प्राइवेट मेडिकल कालेज में पढ़ा भी रहे है, कई अस्पतालों में सेवाएं भी दे रहे हैं। और तो और घर में ओपीडी भी चला रहे हैं। बताइए...इतनी क्षमता किसकी हो सकती है? शक्तिमान की ही ना।

अंगूठा छाप डॉक्टर

रावतपुरा मेडिकल कालेज में सीबीआई के छापे में कई खुलासे हुए हैं। खबरी बता रहा था कि पढ़ाई कैसी होती होगी, उसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कुछ डॉक्टर केवल अंगूठा लगाकर हाजिरी देने जाते थे। उसके बाद कार में बैठकर सीधे घर। उसके बदले में उन्हें लाखों रुपए हर महीने मिल जाया करते थे। अंगूठा छाप डॉक्टर उसके बाद कुछ भी करें, नौकरी, राजनीति या धंधा...उनकी मर्जी। कालेज को उससे कोई मतलब नहीं।

जरूरत है बलि के बकरे की

मेडिकल कालेज के हाई लेबल प्रोग्राम में छात्रों ने यलगार कर दिया। अचानक इतना हंगामा किया कि ऊपर से नीचे तक सब हिल गए। अब नारेबाजी और आपत्तिजनक हूटिंग करने वाले नवप्रवेशी छात्रों को चमका-धमकाकर इस प्रदर्शन के मास्टरमाइंड के बारे में पूछा जा रहा है। कालेज प्रबंधन का खुफिया विभाग सीसीटीवी के साथ वीडियो फूटेज और सोशल मीडिया की चैटिंग भी खंगाल रहा है। हालांकि अब तक कुछ ठोस मिला नहीं है। लेकिन ऊपर वालों के ईगो को शांत करने के लिए किसी की बलि ली जाएगी। उसी बलि के लिए बकरे की तलाश की जा रही है।

नाराज हो रहे सितारे...

चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े डॉक्टरों के ग्रह-नक्षत्र इन दिनों ठीक नहीं चल रहे हैं। पुराने दिनों में की गई गड़बड़ी का परिणाम अब उन्हें भुगतना पड़ रहा है। सालों तक स्वास्थ्य संचालनालय के गलियारों में दबदबा बनाने वाले डॉक्टर साहब की विभाग में वापसी हो गई। मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में डॉक्टरी करने वाले एक चिकित्सक को सीबीआई का चक्कर लगाना पड़ गया। अपने ही विभाग की छात्रा से दुर्व्यवहार करने वाले डॉक्टर को पुलिस थाने तक पहुंचना पड़ गया। इनकी चर्चा चिकित्सा शिक्षा विभाग के गलियारों में होने लगी है और कई डॉक्टर नाराज सितारों को मनाने के लिए पूजा-पाठ करने पंडितों की तलाश कर रहे हैं।

इधर के ना उधर के ...

नेताजी की बनाई चौपाटी पर हाई-फाई दुकान लेने वाले अब पछता रहे हैं। उससे ज्यादा दुख इसमें निवेश करने वालों को हो रहा है। जब मौका मिला तो एक-दो नहीं, पूरे तीन दुकान अपने नाम ले लिए। सोचा, इसे किराए पर चढ़ाकर खटाखट नोट छापते रहेंगे। शुरू में आयडिया चल पड़ा, पर अब नेता के ही विरोधी चौपाटी चौपट करने जोर लगा रहे हैं कि यहां से चौपाटी हटाओ, वो भी ऐसे जगह भेज रहे हैं, जहां भूले से भी कोई नहीं आता। पुराने नेता के पास गए तो उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि पार्टी की सरकार रहती तो ऐसा नहीं होने देते। भुक्तभोगी कहते फिर रहे हैं, न घर के हुए न घाट के। अब तो ऊपरवाला ही बचा सकता है।

सीसीटीवी लगाएं या नहीं

प्रदेश कांग्रेस पार्टी कार्यालय में पिछले दिनों अध्यक्ष का मोबाइल चोरी होने की घटना के बाद हर जगह सीसीटीवी की मांग उठी। लेकिन इसे लगाने के नुकसान हैं। कौन आ रहा है, किससे मिल रहा है, पता चल जाएगा। गोपनीयता का क्या होगा? ऐसे में गंभीर मंथन चल रहा है। खबरी बता रहा था कि कांग्रेस भवन में केवल पार्टी का मंथन नहीं होता, हर तरह के लोग आते हैं। ऐसे लोग भी जो नहीं चाहते कि किसी को पता चले कि वे आए थे। बस उसी चक्कर में समझ नहीं आ रहा कि सीसीटीवी लगवाएं या नहीं।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा विकास शर्मा, गिरीश केशरवानी।

हवाला के माध्यम से दिल्ली, कोलकाता, मुंबई के रास्ते पहुंचाई जाती थी रकम

चार्जशीट से खुल रहीं परतें, शराब घोटाले के लिए लिखा था पत्र, सॉफ्टवेयर में हेरफेर भी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य में शराब घोटाला करने आरोपियों ने जो तरीके अपनाए हैं, उसे लेकर केंद्र के साथ राज्य की जांच एजेंसियां हतप्रभ हैं। शातिरों ने शराब घोटाले को कैसे अंजाम दिया, इस बात का आबकारी मंत्री के खिलाफ कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान में ईओडब्ल्यू ने सिलसिलेवार तरीके से उल्लेख किया है। चालान में बताया गया है कि शातिरों ने घोटाले को अंजाम देने कैसे एनआईसी को पत्र लिखा, इसके बाद शराब की काली कमाई को खपाने के लिए किस तरह से हथकंडे अपनाए।

हरिभूमि लगातार

कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान में बताया गया है कि शराब की काली कमाई अलग-अलग जोन से होते हुए अनवर ढेबर के होटल वेलिंगटन पहुंचती थी। होटल से हर माह 10 करोड़ रुपए अरविंद सिंह भिलाई में किसी राजनीतिक व्यक्ति तक पहुंचाता था। इसके अलावा हवाला कारोबारी सुमीत मालू काली कमाई को मुंबई, कोलकाता तथा दिल्ली के रास्ते ठिकाने लगाने का काम करता था। शराब की काली कमाई खपाने के लिए घोटाले का किंग पिन अनवर अपने भरोसेमंद लोगों की मदद लेता था।

काली कमाई को सफेद किया

ईओडब्ल्यू द्वारा कोर्ट में पेश पूरक चालान में उल्लेख किया गया है कि उन्हें जांच के दौरान अनवर द्वारा भतीजे उमेर, बेटे जुनैद जो सफायर इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं, उनके अकाउंट में रकम ट्रांसफर कर काली कमाई को सफेद करने की कोशिश की। इसके प्रमाण के रूप में ईओडब्ल्यू को बैंक की एंट्रीज मिली हैं। इसके अलावा पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा ने शराब की काली कमाई अपने बेटे के माध्यम से सफेद करने की कोशिश की है।

कवासी लखमा ने काली कमाई से प्राप्त 64 करोड़ में से 18.69 करोड़ रुपए को कारोबार, संपत्ति अर्जित करने में लगाया

बगैर बिल के हर माह दो सौ ट्रक शराब की हो रही थी बिक्री, 2000 करोड़ का घोटाला

28 आबकारी अफसरों के खिलाफ 2100 पन्नों का चालान, जज छुट्टी पर, अब सोमवार को होगा पेश

कवासी के करीबियों से मिले 44 संपत्तियों के दस्तावेज

एनएसयूआई नेता को दिए थे चार करोड़ महुआ खरीदी में भी लगाया पैसा

इनके पास से मिले इतने प्रॉपर्टी पेपर

महुआ खरीदी करने रकम निवेश

ट्रैक एण्ड ट्रेस सॉफ्टवेयर में हेरफेर

वेयर हाउस से दुकानों तक पहुंचाने एवं दुकानों से शराब बिकने तक की निगरानी के लिए एनआईसी द्वारा एक सॉफ्टवेयर विकसित किया गया, जिसका नाम ट्रैक एण्ड ट्रेस सॉफ्टवेयर है। इस सॉफ्टवेयर का मुख्य कार्य शराब बनने से लेकर शराब के विक्रय तक किसी भी तरह की चोरी को रोकना एवं शासन को हानि होने से बचाना था। अरूणपति त्रिपाठी द्वारा सिंडीकेट के माध्यम से अवैध शराब की बिक्री (पार्ट-बी) एवं (पार्ट-ए) कमीशन को बढ़ावा देने के लिए इस सॉफ्टवेयर में बदलाव के लिए कई पत्र एनआईसी को लिखे गए। सामान्यतः इस सॉफ्टवेयर द्वारा शराब परिवहन के प्रत्येक स्तर पर बार, क्यूआर कोड स्कैनिंग का प्रावधान है, ताकि प्रत्येक बोतल शराब की गणना सर्वर पर उपलब्ध हो, परंतु अरूणपति त्रिपाठी द्वारा अवैध शराब की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक स्तर पर स्कैनिंग हटवाकर केवल परिवहन परमिट स्कैनिंग करने की प्रक्रिया चालू की गई, जिसके लिए एनआईसी को पत्र भी लिखा गया।

घोटाला करने एनआईसी को पत्र

अरूणपति त्रिपाठी द्वारा एनआईसी को पत्र लिखकर वेयरहाउस से दुकानों में शराब पहुंचने पर परमिट स्कैन होने पर ही विक्रय दिखाने के लिए सॉफ्टवेयर में बदलाव करने कहा गया, ताकि प्रत्येक बोतल स्कैन का रीयल टाइम डाटा सर्वर पर उपलब्ध न हो सके और अवैध शराब की बिक्री को बढ़ावा मिल सके। इसी तरह दुकानों की जगह वेयर हाउस से शराब लोडिंग होने पर ही विक्रय होना सर्वर में अपलोड होने लगा, ताकि कितनी शराब दुकानों में बिक रही है, इसकी जानकारी सर्वर पर उपलब्ध न हो सके। इसके लिए अरूणपति त्रिपाठी द्वारा एनआईसी को पत्र लिखा गया। इसी तरह अरूणपति त्रिपाठी द्वारा एनआईसी को पत्र लिखकर आरएफआईडी से कैश कलेक्शन रुकवा दिया था, ताकि वैध और अवैध शराब के बिक्री के पैसे अलग करने में कठिनाई न हो।

संपत्ति खरीदने में लगाया पैसा

कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान में उल्लेख किया गया है कि कवासी लखमा को शराब घोटाले में कुल 64 करोड़ रुपए मिले हैं। प्राप्त रकम में से 18 करोड़ 69 लाख रुपए लखमा ने अलग-अलग कारोबार में निवेश करने के साथ संपत्ति अर्जित करने में लगाए। इस तरह से लखमा ने शराब की काली कमाई अपने हित के लिए इस्तेमाल की है।

सीबीआई-एसीबी का भय दिखाकर ठगी तीन दिन की पुलिस रिमांड पर आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- राजेंद्र नगर में पीएम आवास दिलाने के नाम पर भी ठगा

महिला पटवारी के पति को एसीबी का भय दिखाकर एक करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी करने के आरोप में जेल में बंद हसन आबिदी से पूछताछ करने पुलिस ने कोर्ट से तीन दिन की रिमांड पर लिया है। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास दिलाने का झांसा देकर ठगी करने के आरोप में पुलिस ने जिन दो जालसाजों को गिरफ्तार किया है, उन्होंने इस ठगी में हसन आबिदी के शामिल होने की जानकारी दी है।

टिकरापारा पुलिस ने पिछले महीने राजेश सोनी की शिकायत पर हसन आबिदी को गिरफ्तार किया था। राजेश ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आबिदी ने उसकी पत्नी के खिलाफ झूठे दस्तावेज तैयार कर एसीबी में शिकायत करने की धमकी देकर नकदी 70 लाख रुपए वसूल करने के साथ ही उसकी एक जमीन अपने नाम पर रजिस्ट्री करा ली है। साथ ही हसन आबिदी राजेश से लगातार पैसों की मांग कर रहा था। लगातार पैसों की मांग से परेशान होकर राजेश ने आबिदी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए उसके द्वारा भेजे गए मैसेज की स्क्रीन शॉट पुलिस को उपलब्ध कराई। इसके बाद पुलिस ने हसन आबिदी के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई की।

इसलिए रिमांड पर लिया : राजेंद्र नगर थाने में मूलतः राजनांदगांव, डोंगरगढ़ निवासी प्रफुल्ल बंजारी सहित आधा दर्जन लोगों ने एन. जिल्लैया उर्फ एन. जीतू के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास दिलाने का झांसा देकर 21 लाख 80 हजार रुपए ठगी करने शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने एन. जिलैया को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपने साथी मोहम्मद अशरफ खान को पैसे देने की जानकारी दी। अशरफ खान को गिरफ्तार कर पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने हसन आबिदी के कहने पर लोगों को प्रधानमंत्री आवास दिलाने पैसे लेने की जानकारी पुलिस को दी। पीएम आवास योजना के नाम पर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपियों के बयान के आधार पर पुलिस ने पूछताछ करने हसन आबिदी को हिरासत में लिया।

तेलीबांधा-अवंति विहार को जोड़ने दो सौ मीटर की सड़क से दो लाख की आबादी को मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

ट्रैफिक पुलिस की पहल पर दो साल के लंबे इंतजार के बाद तेलीबांधा से अवंति विहार जाने नई सर्विस लेन बनकर तैयार हो गई है। नई सर्विल लेन बनने से तेलीबांधा मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। साथ ही तेलीबांधा से अवंति विहार जाने के लिए रांग साइड के उपयोग पर लगाम लगेगी। रांग साइड आवाजाही की वजह से आए दिन एक्सीडेंट तथा जाम की स्थिति निर्मित होती है। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

हरिभूमि सरोकार

अवंति विहार की तरफ से तेलीबांधा आने वाले लोगों को अभी लंबा रास्ता घूमकर आना पड़ता है। इसके चलते तेलीबांधा मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए तेलीबांधा कृष्ण कुंज से दो सौ मीटर जैतखंब तक नई सर्विस लेन का निर्माण किया गया है। सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। ट्रैफिक डीएसपी सतीश ठाकुर के अनुसार, इस सप्ताह नई सर्विस लेन को लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

इस सप्ताह नए मार्ग से आवाजाही होगी शुरू

मेनरोड को काटने क्रॉस लगाएंगे

सर्विस लेन से आने वाले गलत तरीके से मेनरोड पर न आ पाएं, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने कृष्ण कुंज के पास बनी सर्विस लेन पर क्रॉस लगाकर यहां से मेनरोड पर आने से रोकने व्यवस्था की है।

फाइल फोटो

- सड़क शुरू होने के बाद रांग साइड से अवंति विहार जाने पर लगेगी रोक

आवागमन में होगी आसानी

नई सर्विस लेन शुरू होने के बाद अवंति विहार, खम्हारडीह, कचना, गायत्री नगर से तेलीबांधा आने वाले लोगों को अब लंबा रास्ता घूमकर नहीं आना पड़ेगा। अवंति विहार से सीधे सर्विस लेन के रास्ते तेलीबांधा पहुंच सकते हैं। नया रोड बनने से अवंति विहार की तरफ रहने वाली दो लाख की आबादी आसानी से तेलीबांधा पहुंच सकेगी।

सर्विस लेन पर लगे बेरिकेड्स खोले जाएंगे

रिंगरोड पर थाने के सामने मैग्नेटो मॉल जाने सर्विस लेन का सिरा लंबे अरसे से बंद कर दिया गया है। इसकी वजह सर्विस लेन के रास्ते लोग रांग साइड गाड़ी चलाते हैं। इससे सर्विस लेन का एक सिरा बंद कर दिया गया है। नई सर्विस लेन बनने से बंद सिरा को खोल दिया जाएगा। थाने के सामने सर्विस लेन कृष्ण कुंज के पास नई बनी सर्विस लेन से जुड़ जाएगी। अवंति विहार से आने वाले लोग सर्विस लेन से तेलीबांधा पहुंच सकते हैं, साथ ही उसी सर्विस लेन से जा सकते हैं।

वादाखिलाफी से स्कूल सफाईकर्मी नाराज 12 से सभी संभाग मुख्यालयों से पदयात्रा

- 16 जुलाई को सीएम हाउस में सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के सरकारी स्कूला में कार्यरत 43 हजार स्कूल सफाई कर्मचारी भाजपा द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में की गई वादाखिलाफी से बेहद नाराज हैं। अपनी लंबित मांगों के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने स्कूल सफाईकर्मी 12 जुलाई से प्रदेश के सभी संभागों से पदयात्रा करते हुए 16 जुलाई को रायपुर पहुंचेंगे। जहां वे सीएम हाउस पहुचकर अपनी लंबित मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम

ज्ञापन सौंपेंगे। कर्मचारियों का ये भी कहना है, यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल पर अनिश्चितकालीन धरना देंगे। राजधानी के कलेक्टोरेट गार्डन में प्रदेश के स्कूली सफाई कर्मचारियों की बैठक रविवार को हुई। प्रदेश स्तरीय बैठक में चर्चा हुई कि स्कूल सफाई कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान और अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी को पूर्णकालिक करने की मांग करेंगे। पिछले 15 साल से कार्यरत स्कूल सफाई कर्मचारी कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान की मांग कर रहे हैं। संघ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष खांडेकर, रायपुर संभाग अध्यक्ष श्यामरतन सागर ने बताया कि 2023 के विधानसभा चुनाव के पूर्व भारतीय जनता पार्टी ने 50 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का वादा किया।

वीआईपी मूवमेंट की वजह से बदला गया प्लेटफॉर्म, यात्री हुए परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

वीआईपी मूवमेंट के चलते रायपुर स्टेशन पर रविवार शाम आने वाली दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस का प्लेटफॉर्म बदलना पड़ गया। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्री खासे परेशान हुए।

आमतौर पर प्लेटफार्म-3 पर आने वाली अंबिकापुर एक्सप्रेस को अचानक प्लेटफार्म 1 पर लाया गया। इस बदलाव से कई नियमित यात्री, जो पहले से प्लेटफार्म-3 पर इंतजार कर रहे थे, उन्हें अपना सामान लेकर प्लेटफार्म-1 तक दौड़ लगानी पड़ी। ट्रेन की पोजीशन ऑनलाइन तब भी प्लेटफार्म-3 की ही दिखाई जा रही थी, जिससे कई यात्री भ्रमित हो गए। जबकि स्टेशन पर ट्रेन आने के 40 मिनट पहले से ही एनाउंसमेंट शुरू हो गया था, लेकिन तब तक कई यात्री प्लेटफार्म- 3 पर पहुंच चुके थे। इस दौरान स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी का भारी बल तैनात रहा। यात्रियों के मुताबिक वीआईपी मूवमेंट के कारण ट्रेन के प्लेटफार्म में बदलाव किया गया।

मालवीय रोड, गोलबाजार, सदर बाजार में 5 हजार घरों और दुकानों में कनेक्शन बाकी

- स्मार्ट सिटी के 24 घंटे पानी पहुंचाने के प्रोजेक्ट में लगेगा समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहर के 15 वार्डों में 24 घंटे पानी पहुंचाने में अभी समय लगेगा। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से अनुबंधित एजेंसी 5 हजार घरों में कनेक्शन तक नहीं कर पाई है। मालवीय रोड, गोलबाजार, सदरबाजार सहित अन्य व्यावसायिक इलाकों में उपभोक्ता 24 घंटे पानी का कनेक्शन लेने दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। जबकि सर्वे के दौरान अनुबंधित एजेंसी ने इन क्षेत्रों को प्रमुखता से शामिल करते हुए प्रोजेक्ट तैयार किया था। सूत्रों के मुताबिक, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठान इसलिए नए कनेक्शन लेने से रुचि नहीं दिखा रहे, क्योंकि 24 घंटे पानी की जरूरत नहीं है। सीमित समय के लिए पानी चाहिए, इसके लिए उनके पास बोरवेल या पुराना कनेक्शन पहले से है।

- व्यावसायिक उपभोक्ताओं की कनेक्शन लेने में दिलचस्पी नहीं

मोतीबाग और गंज पानी टंकी के कमांड एरिया से राजधानी के 15 वार्डों में 24 घंटे पानी पहुंचाने की

योजना अब तक परवान नहीं चढ़ पाई है। हालांकि अनुबंधित एजेंसी ने संबंधित एरिया में पाइपलाइन टेस्टिंग और वाटर मीटर लगाने का काम 70 फीसदी पूरा कर लिया है, पर अभी भी मोतीबाग पानी टंकी से कनेक्ट शहर के प्रमुख व्यावसायिक इलाकों में स्थित 5 हजार यूजर्स के यहां कनेक्शन पहुंचाना बाकी है। अनुबंधित एजेंसी संबंधित क्षेत्र में जाकर लोगों को 24 घंटे पानी आपूर्ति की अहमियत बताकर उन्हें कनेक्शन लेने समझा रही है, पर अधिकतर लोगों ने कनेक्शन लेने में रुचि नहीं दिखाई।

इसके चलते इन घरों में स्वचालित वाटर मीटर लगाने का काम भी लंबित है। गोलबाजार के बंजारी मंदिर से चिकनी मंदिर होते हुए मालवीय रोड और सदर इलाके के व्यावसायिक क्षेत्रों में दुकानों, प्रतिष्ठानों में नए नल कनेक्शन दिए जाने बाकी हैं।

बारिश के बाद मोतीबाग पानी टंकी में 100 एचपी के नए पंप

मोतीबाग पानी टंकी से कनेक्ट वार्डों में 24 घंटे जल आपूर्ति करने रायपुर स्मार्ट सिटी से अनुबंधित एजेंसी पुराने 75 एचपी क्षमता वाले 2 मोटर पंप को रिप्लेस कर 100 एचपी क्षमता वाले 2 नए मोटर पंप स्थापित करेगी। इससे मोतीबाग पानी टंकी से संबंधित वार्डों में फोर्स के साथ पानी पहुंचाने के काम में आसानी होगी। वर्तमान में इस कमांड एरिया में पुराने मोटर पंप से जल आपूर्ति की जा रही है, जो 24 घंटे जल आपूर्ति योजना के हिसाब से कम क्षमता के हैं।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 7 जुलाई 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों संग वक्त बिताकर...

इवेंट लाइव

टैलेंट हंट ओपन शो में नन्हें प्रतिभागियों ने मारी बाजी, देशभक्ति गाने पर मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर। शहर स्थित मैग्नेटो मॉल में एक दिवसीय टैलेंट हंट ओपन शो का आयोजन किया गया। शो में संगीत, गायन, कविताएं, नृत्य, अभिनय, स्टैंडअप कॉमेडी और हिडेन टैलेंट परफॉरमेंस के लिए ओपन एज ग्रुप रखा गया। इस अवसर पर मंचीय प्रस्तुति के लिए 3 मिनट का समय दिया गया, जहां प्रतिभागियों ने बेहतर करने का प्रयास किया। इस मौके पर 6 वर्षीय शिवांश शुक्ला ने एक पल का जीना....बॉलीबुड म्यूजिक पर हिप-हॉप परफॉर्म किया। वहीं, 9 वर्षीय आदित्य मिश्रा ने मेरे देश की मिट्टी सोना उगले...जैसे देशभक्ति गाने पर प्रस्तुति दी, और विजेता पुरस्कार हासिल किया। इस मौके पर 48 प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक विधाओं में प्रस्तुति दी।

शिवांश शुल्क और आदित्य मिश्रा ने मारी बाजी

कार्यक्रम की प्रबंधक आभा गुप्ता ने बताया कि टैलेंट हंट ओपन शो में युवा प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के शुरू होते ही लगातार भीड़ बढ़ने लगी। प्रतिभागियों ने हिन्दी, पंजाबी, मराठी और छत्तीसगढ़ी गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया। क्लासिकल, सेमी क्लासिकल में मस्त मगर...मनवा लागे...रघुवर...संगीत में प्रस्तुति दी गई। निर्णायकों ने गायन में शिवांश शुक्ला को प्रथम विजेता घोषित किया। इस खास अवसर पर दर्शकों ने तालियों से बच्चों का मनोबल बढ़ाया।

मिस-मिसेज फैशन शो और सावन क्वीन का आयोजन

प्रबंधक ने बताया कि 13 जुलाई को मिस-मिसेज फैशन शो होगा, जिसमें महिलाओं के लिए रैप-वॉक का आयोजन किया गया है। वहीं, 20 जुलाई को सावन क्वीन जैसे भव्य कार्यक्रम होगा। महिलाएं ग्रीम थीम के ड्रेसकोड पर शामिल होंगी। इस मौके पर रैंप वॉक और क्वीज प्रतियोगिता भी होगी।

घरों तक पहुंच रही पुरातत्व की विरासत, छठवीं सदी से लेकर कलचुरी काल की डुप्लीकेट प्रतिमाओं से जीवंत हो रही धरोहर

संस्कृति विभाग ने शुरू किया ऐतिहासिक मूर्तियों के प्रतिरूपों का निर्माण

प्रदेश के ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों से खुदाई के दौरान प्राप्त प्राचीन मूर्तियों को अब आम लोग भी अपने घरों की शोभा बना सकते हैं। संस्कृति विभाग द्वारा इन दुर्लभ मूर्तियों के प्लास्टर प्रतिरूप, डुप्लीकेट मॉडल तैयार करने की पहल शुरू की गई है, जो न सिर्फ इतिहास प्रेमियों को आकर्षित कर रही है, बल्कि सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान कर रही है। इन प्रतिमाओं का निर्माण विशेष तकनीक से किया जा रहा है, जिससे उनकी कलात्मक सुंदरता और ऐतिहासिक स्वरूप अक्षुण्ण बना रहे। ये सभी मूर्तियां छठवीं से पंद्रहवीं सदी के बीच की हैं और अधिकांश प्रतिमाएं देवी-देवताओं व कलचुरी काल की अद्वितीय कलाकृतियों पर आधारित हैं।

रायपुर। विभाग द्वारा इनका निर्माण प्लास्टर ऑफ पेरिस से किया जा रहा है, ताकि मूल धरोहरों की छवि यथासंभव जीवंत बनी रहे। संग्रहालयों में आने वाले दर्शक अब न केवल इन मूल प्रतिमाओं को देख पा रहे हैं, बल्कि उनसे प्रेरित डुप्लीकेट प्रतिमाएं भी खरीद रहे हैं। इन कलाकृतियों की मांग घरों को सांस्कृतिक और पुरातात्विक रूप से सजाने के लिए तेजी से बढ़ रही है। इस पहल से न केवल लोगों को अपने इतिहास और संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिल रहा है, बल्कि प्रदेश की पुरातात्विक विरासत को भी एक नया जीवन मिल रहा है। 7वीं सदी की 'भू-स्पर्श मुद्रा' में गौतम बुद्ध की प्रतिमा व 10वीं ईसवी की महिषासुर मर्दिनी, त्रिपुरी कलचुरी कला शैली की मूर्तियां भी लोगों के लिए उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सभी मूर्तियों को प्लास्टर में इस तरह गढ़ा गया है कि वे बिल्कुल मूल प्रतिमाओं जैसी प्राचीन और ऐतिहासिक प्रतीत होती हैं। संस्कृति विभाग इन डुप्लीकेट प्रतिमाओं के डिजाइन पर विशेष ध्यान दे रहा है, ताकि हर एक प्रतिरूप में वही कलात्मक गहराई और भावनात्मक प्रभाव उभरकर सामने आए, जो मूल मूर्तियों में अनुभव किया जाता है।

पूजा स्थलों की शोभा बन रहीं प्रतिमाएं

प्रदेश के संग्रहालयों में प्रदर्शित प्राचीन पत्थर की मूर्तियों में उकेरी गई बारीक कलाकृतियां अब प्लास्टर की डुप्लीकेट प्रतिमाओं में भी दिखाई दे रही हैं। संस्कृति विभाग द्वारा तैयार की जा रही इन प्रतिरूपों में न केवल मूल आकृति की नक्काशी को सहेजा गया है, बल्कि ऐतिहासिक भाव भी यथावत बनाए रखा गया है। संग्रहालय में देवी-देवताओं से जुड़ी मूर्तियों की मांग सबसे अधिक देखी जा रही है। 11वीं–12वीं सदी की 'मां सीमा' और रामायण प्रसंग पर आधारित 'हनुमान जी' की मूर्तियां दर्शकों का विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रही हैं। वहीं, 6वीं सदी की दुर्लभ 'रूद्र शिव' की प्रतिमा, जो अपनी ऐतिहासिक महत्ता के लिए जानी जाती है, अब पूजा स्थलों की शोभा बनने लगी है।

150 से 700 रुपए तक मिल रही प्रतिमाएं

संस्कृति विभाग द्वारा ऐतिहासिक मूर्तियों के छोटे आकार में तैयार किए गए प्लास्टर प्रतिरूप अब आम लोगों के लिए 150 से 700 रुपए तक की किफायती कीमत पर उपलब्ध हैं। आकार और कलाकृति के अनुसार इनकी कीमत तय की गई है, जिससे हर कोई अपनी रुचि और बजट के अनुसार इन्हें खरीद सकता है। हर प्रतिमा के साथ विभाग द्वारा तैयार की गई ब्रोशर में उस मूर्ति से जुड़ा ऐतिहासिक विवरण भी दिया गया है, जिससे लोगों को न केवल कलाकृति प्राप्त हो रही है, बल्कि उसके इतिहास को जानने का भी अवसर मिल रहा है। मूल प्रतिमाओं की तरह इन प्लास्टर की मूर्तियों को भी उसी रंग और डिजाइन में सजाया गया है, जिससे वे देखने में एकदम प्राचीन और जीवंत लगती हैं। संग्रहालय में पहुंचे दर्शकों को ये कलाकृतियां बेहद पसंद आ रही हैं, और कई लोग इन्हें घरों की सजावट तथा पूजा स्थलों के लिए खरीद रहे हैं।

सिटी लाइव

फ्रूट मार्केट में मौसमी फलों की बहार कस्टर्ड एप्पल, प्लम और चेरी की डिमांड

रायपुर। सीजन बदलते ही फ्रूट मार्केट में नए ताजे मौसमी फलों की बाहर आ जाती है। शहर के फल मार्केट में ही ऐसे ही कुछ स्वाद व पोषक तत्वों से भरे मौसमी फल पहुंच गए हैं, जहां लोग अपने सेहत व स्वद के मुताबिक इन फलों को खरीदने पहुंच रहे हैं। शहर के भाठागांव, राजेंद्रनगर, शास्त्रीबाजार, कालीबाड़ी रोड पर लगे फल स्टॉल में साउथ का इलायची केला, नाशपाती, कस्टर्ड एप्पल, प्लम और चेरी जैसे मौमसी फलों का स्वाद लोगों को खूब भा रहा है।राजेंद्रनगर स्थित फल स्टॉल के फल विक्रेता टिकेश्वर वर्मा ने बताया कि बरसात के मौमस में विशेषतौर पर फल के शौकीन देशी एप्पल, आलू बुखारा, इलायची केला, लाल अंगूर, नाशपाती, प्लम, चेरी जैसे मौसमी फल खरीदना काफी पसंद करते हैं। ग्राहकों के शौक व डिमांड के मुताबिक ही मौसमी फलों का कलेक्शन स्टॉल में रखते हैं। हालांकि, बरसात में मौसमी फलों की कीमत महंगे होते हैं। गौरतलब है कि डॉक्टर्स व डायटिशियन भी बरसात के मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, बेहतर चयापचय और अच्छा समग्र स्वास्थ्य के लिए मौसमी फल खाने सेजेसशन करते हैं। मौसमी फल हमें विभिन्न बीमारियों से बचता है। जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वैसे-वैसे हमारे खाने-पीने के सामान और फल भी बदलते हैं। प्रकृति यह सुनिश्चित करने का अपना तरीका अपनाती है कि हम बदलते मौसम का आसानी से सामना कर सकें और हमें पौष्टिक मौसमी फल प्रदान करें। मौसमी उपज में ऐसे फल और सब्ज़ियां होती हैं जो साल के उस खास समय के लिए होती हैं और ये सबसे ताज़ी, स्वादिष्ट और पकी होती हैं। इसमें बेहतर पोषण मूल्य होता है। मौसमी फल ज़रूरी पोषक तत्व देकर मौसम की स्थिति के अनुकूल होते हैं। जैसे ही मानसून की हवाएं हमारे पास आती हैं और बारिश शुरू होती है। हमें बारिश के मौसम के फलों को खाना चाहिए, जो स्वस्थ रखेंगे और हमारी बेहतरीन ऊर्जा को बनाए रखेंगे।

दूसरे फलों में लीची, आड़ू, एवोकैडो

बाजार में दूसरे मौसमी फलों में लीची ऐसा फल है, जो आयरन, कॉपर, मैंगनीज, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम का एक समृद्ध स्रोत होने के कारण, लीची मानसून के फलों में से एक है जो शरीर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाता है। वहीं, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। ये पाचन में सहायता करते हैं। हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं और एलर्जी के खिलाफ़ प्रभावी होते हैं। ये व्यापक रूप से उपलब्ध हैं, इसलिए इन्हें अपने मानसून आहार में शामिल करना आसान है। इसी तरह एवोकैडो भी स्वाद व सेहत के लिए बेहतर मौसमी फल में से एक है। ताजे फल और सब्ज़ियां खाना स्वस्थ जीवन जीने की कुंजी है, क्योंकि इनसे शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोई कमी नहीं होती। हम सभी को अपने थाली में मौसमी फलों को शामिल करना चाहिए। क्योंकि, यह फल स्वाद और सेहत के लिहाज से बेहद जरूरी है।

प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए अग्रवाल समाज ने बढ़ाया मान

जुटे 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक अर्जित करने वाले समाज के 155 होनहार

रायपुर। अग्रवाल सभा की युवा इकाई और अग्रवाल युवा मंडल द्वारा आंजनेय यूनिवर्सिटी के सहयोग से रविवार को अग्रसेन धाम में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी आयुष मुरारका ने बताया कि समारोह में 10वीं और 12वीं में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक अर्जित करके समाज के 155 होनहार छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता युवा मंडल के अध्यक्ष राम अग्रवाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों ने निरंतर परिश्रम और लगन से आगे बढ़ते हुए अंक अर्जित किया है। ऐसी प्रतिभाएं समाज का गौरव हैं। इनका सम्मान समाज को एक नई दिशा देता है।

सकारात्मक योगदान देने का किया आह्वान

मुख्य वक्ता के रूप में भिलाई की प्रसिद्ध कॅरियर काउंसलर सविता सिंह ने बच्चों के साथ संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। युवा मंडल अध्यक्ष राम अग्रवाल ने प्रतिभाओं को समाज से जुड़ने तथा सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिर्फ उपलब्धियों का नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। आयुष मुरारका ने बताया कि 12वी में काव्य अग्रवाल ने 97.8% अंक अर्जित करते हुए प्रथम स्थान और 10वीं में शिवांश पोद्दार ने 99% अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कार्यक्रम में युवा मंडल प्रभारी सुभाष अग्रवाल, आंजनेय यूनिवर्सिटी के कुलपति अभिषेक अग्रवाल, माया मुरारका, आयुष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल विशेष रूप से मंचस्थ थे। समारोह को सफल बनाने में प्रोग्राम प्रभारी संदीप अग्रवाल, अभिषेक टेकरीवाल, वेदान्त अग्रवाल और दिव्यम अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए 200 यूनिट रक्त किया एकत्र

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मोपोलिटन ने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए रक्तदान कार्निवाल का आयोजन छत्तीसगढ़ में किया। इस आयोजन को रायपुरवासियों का समर्थन मिला और लगभग 200 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्तदान की प्रक्रिया को पूर्ण स्वच्छता और सावधानी के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम का वातावरण बेहद उत्साही और संगीतमय रहा, जिससे उपस्थित सभी लोग आनंदित और प्रेरित हुए। सेवा और उत्सव का यह अनूठा संगम इस आयोजन को खास बना गया।

यह रक्तदान कार्निवाल क्लब अध्यक्ष रोटेरियन मनोज अग्रवाल एवं सचिव रोटेरियन अमित गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का कुशल संयोजन प्रोग्राम चेयरमैन रोटेरियन नीरज गोयल और रोटेरियन राहुल मिश्रा द्वारा किया गया, जिनके बेहतरीन प्रबंधन से यह आयोजन अत्यंत सफल और यादगार बन पाया।

फैमिली में बर्थ-डे, एनिवर्सरी, इंग्जेमेंट, शादी पार्टी या बिजनेस पार्टी में इवेंट होस्टिंग का नया फैशन

कार्नर न्यूज

इवेंट होस्टिंग से फैमिली और बिजनेस पार्टी को खास बनाने का बढ़ा चलन, युवा भी बना रहे हैं कॅरियर

रायपुर। फैमिली में बर्थ-डे, एनिवर्सरी, इंग्जेमेंट, शादी पार्टी के मौके को खास बनाने लोग इवेंट होस्ट हायर कर रहे हैं। सिटी में पिछले कुछ वर्षों में फैमिली-बिजनेस से जुड़े हर छोटे-बड़े इवेंट में स्टेज शो इवेंट होस्टिंग तेजी से लोगों के फैशन का हिस्सा बनता जा रहा है। जहां लोग इवेंट होस्ट के माध्यम से अपनी पार्टी प्रजेंटेशन को प्रोफेशनल, इंटरटेनिंग और आकर्षक टच दे रहे हैं। इससे प्रोग्राम में आमंत्रित गेस्ट को पूरे इवेंट के दौरान उत्साहित रखने के साथ-साथ उन्हें कंपनी भी मिलती है। एक तरह से इवेंट होस्टिंग जहां सोसाइटी में फैशन का हिस्सा बनता जा रहा है, वहीं युवा इवेंट होस्टिंग को अपने कॅरियर की दृष्टि से पैशन के रूप में लेने लगे हैं। लिहाजा शहर के शिक्षित युवा लैंग्वेज एंड पर्सनालिटी डेवलपमेंट्स ट्रेनर से प्रोफेशनली इवेंट होस्टिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

युवा लैंग्वेज एंड पर्सनालिटी डेवलपमेंट्स क्लासेस जा रहे हैं, ताकि खुद को इवेंट होस्ट के रूप में निखार कर एक पहचान पा सकें। इस सपने को साकार करने यूथ लैंग्वेज एंड पर्सनालिटी डेवलपमेंट्स क्लासेस में अपनी भाषा, कम्युनिकेशन स्किल, प्रजेंट्स ऑफ माइंड, टाइमिंग एंड सब्जेक्ट सलेक्शन, बॉडीलैंग्वेज, वाइस डिलीवरी को इप्रूव करने एक्सपर्ट से ट्रेनिंग ले रहे हैं। जहां ट्रेनर उन्हें मंच पर हिंदी या इंग्लिश के साथ-साथ लोकल लैंग्वेज में एंकरिंग करने के गुर सिखा रहे हैं। इसमें बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के अनुसार एक अच्छी स्क्रिप्ट कैसे तैयार करनी चाहिए, जिसमें स्वागत, अतिथियों का परिचय, कार्यक्रम का अवलोकन और दर्शकों के साथ जुड़ाव शामिल है। प्रभावी एंकरिंग के लिए अच्छी आवाज, आत्मविश्वास और शब्दों का सही प्रयोग कैसे किया जाए। स्क्रिप्ट तैयार करना, कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है। सांस्कृतिक कार्यक्रम है, एक पुरस्कार समारोह है या कोई बिजनेस या अन्य कार्यक्रम है। दर्शकों को ध्यान में रखकर बच्चों या बड़ों का कार्यक्रम इन सभी पर इवेंट से पहले होमवर्क करा रहे हैं।

कॅरियर बनाने यूथ में उत्साह, ले रहें ट्रेनिंग

लैंग्वेज एंड कम्युनिकेशन ट्रेनर इमरान मोहम्मद का कहना है कि उनके लैंग्वेज एंड कम्युनिकेशन क्लासेस में स्टेज पर होस्टिंग, एंकरिंग करने के सभी गुर सिखाए जाते हैं। चूंकि, लैंग्वेज एंड पर्सनालिटी डेवलपमेंट्स इवेंट होस्टिंग का मुख्य पार्ट है, ऐसे में पिछले 5 वर्षों में क्लासेस ट्रेनिंग को लेकर यूथ में काफी क्रेज बढ़ गया है। इससे इस फील्ड में जॉब्स के अवसर बढ़े हैं। इस कारण यहां कॅरियर बनाने यूथ उत्साहित हैं और ट्रेनिंग क्लासेस ज्वाइंन कर रहे हैं। यहां फ्रीलांस इवेंट होस्ट या कॉरपोरेट कंपनी में जॉब्स के ऑफर बढ़ गए हैं।

सोसाइटी में सेलिब्रेशन का न्यू फैशन

सिटी में इवेंट मैनेजमेंट से जुड़े कुलदीप सिंह बताते हैं कि सिटी में आजकल फैमिली में बर्थ-डे, एनिवर्सरी, इंग्जेमेंट, शादी पार्टी हो या बिजनेस पार्टी, इसे लेकर लोगों में फैशन बढ़ता जा रहा है। पहले हाईप्रोफाइल सोसाइटी में इस तरह की पार्टियां ऑर्गनाइज हुआ करती थीं। अब अधिकतर सोसाइटी में यह फैशन ट्रेंड करने लगा है। इन मौके को खास बनाने इवेंट होस्ट हायर कर रहे हैं। सिटी में इस तरह की इवेंट की बता करें तो घर, होटल, आफिस की छोटे-बड़ी पार्टी मिलाकर महीने में करीब 15 से 20 इवेंट ऑर्गनाइज हो रहे हैं।

लाइव इवेंट

"ब्रांड मैनेजमेंट" विषय पर सेमिनार, अरोरा ने दिया व्याख्यान

रायपुर। एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा निजी होटल में रविवार को ब्रांड मैनेजमेंट पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रिंट मीडिया, होर्डिंग, डिजिटल, एफएम, मार्केटिंग और एमबीए के छात्र शामिल हुए। इस मौके पर प्रसिद्ध वक्ता नागपुर के डॉ. संजय अरोरा ने ब्रांडिंग की गहराई समझाते हुए बताया कि ब्रांड सिर्फ उसकी विजुअल आइडेंटिटी तक सीमित नहीं, बल्कि उसकी असली ताकत उसके इंटैन्जिबल और परसीव्ड वैल्यू में होती है। उन्होंने कई उदाहरणों से समझाया कि कैसे बड़ी कंपनियां अपने ब्रांड के दम पर मार्केट में टिकती हैं, जैसे साधारण नमक टाटा के नाम से 25 रुपए में बिकता है, जबकि कैच कंपनी 100 ग्राम नमक 25 रुपए में बेचती है। उन्होंने कोकाकोला का उदाहरण देते हुए बताया कि यह ब्रांड पिछले 130 साल से नंबर 1 है, फिर भी लगातार ब्रांडिंग और एडवरटाइजिंग पर फोकस करता है। उन्होंने ब्रांडिंग एक्टिविटीज प्लान करने के लिए एक छोटा-सा फ्रेमवर्क भी प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित लोग अपने क्लाइंट्स के लिए ब्रांड की ताकत बना सकें। इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष ओंकार सिंह, दीपक जैन, मनीष राज्यवर्धन, शिवाजी मथनी, अजय जैन, अफसर खान, अतुल जैन, पंकज टावरी, राजेश दुग्गड़, ऋषभ पारेख, पंकज गुप्ता, प्रबोध जैन सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

पूर्वजों की याद में परिजनों ने रोपे फल-छायादार 40 पौधे

रायपुर। बरसात शुरू होने के साथ ही पौधरोपण के लिए कृष्ण मित्र फाउंडेशन ने इस साल भी पहल की है। संस्था के अध्यक्ष माधव लाल यादव के आह्वान पर परिजनों ने मृतक माता-पिता, दादा- दादी की स्मृति में सरजूबांधा श्मशान घाट परिसर में आम, जाम, शहतूत, अनार, करौंदा आदि के पौधे लगाए। इसके चलते सुबह से मृतकों के परिजनों की आवाजाही मुक्तिधाम परिसर में विकसित किए गए पुरखा गार्डन में रही। लोगों ने रोपे गए पौधों को बड़ा करने का भी संकल्प लिया।

लोगों के सहयोग से गार्डन में पौधरोपण

पौधरोपण के बाद फाउंडेशन के सचिव गोवर्धन झावर ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि पूर्व में 1100 पौधे 'एक पेड़ मां के नाम' की श्रृंखला में लगाए गए हैं। इससे पहले पुरखा उद्यान में लगभग 400 पौधे पूर्वजों के नाम से पहले लगाए गए हैं। कृष्ण मित्र फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव लाल यादव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने पूर्वजों की स्मृति में पौधरोपण करवा सकते हैं। लोगों की सहभागिता से उद्यान में 1500 से ज्यादा फलदार और छायादार पौधे अब बड़ा रूप लेने लगे हैं। इनकी सुरक्षा के लिए समिति द्वारा पुख्ता इंतजाम किया गया है।

जन्मदिन, पर्व के खास मौके पर परिवार के साथ बुजुर्गों की देखभाल करने पहुंच रहे लोग

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों संग वक्त बिताकर भर रहे रिश्तों में भावनाएं, हर महीने मिलकर परिवार बांट रहे खुशियां

बदलते वक्त के साथ बच्चे वृद्ध अवस्था में माता-पिता को घर से बाहर निकाल देते हैं। इससे एक ही क्षण में बुजुर्ग परिवार से दूर होने को मजबूर हो जाते हैं। जिन बच्चों के लिए माता-पिता ने अपने जीवन का हर वक्त उनकी देखभाल और सेवा में गुजारा हो, वही बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से भाग जाते हैं। ऐसे में असहाय बुजुर्गों की देख-रेख और सेवाओं के लिए शहर के विभिन्न वृद्धाश्रमों में सदस्य निरंतर सहयोग कर रहे, जहां बुजुर्गों की सेवाएं घर के सदस्यों की तरह की जाती हैं। देखभाल के साथ अब शहरवासी वृद्धाश्रम में समय बिताना पसंद करते हैं, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग वर्ग शामिल हैं।

रायपुर। 'इन दिनों जहां पारिवारिक रिश्तों की डोर कमजोर होती जा रही है, वहीं कई परिवार ऐसे भी हैं, जो असहाय बुजुर्गों को अपनों की तरह सम्मान और स्नेह दे रहे हैं। टिकरापारा स्थित चितवन वृद्धाश्रम में शहर का अनेक परिवार त्योहार, जन्मदिन और विशेष अवसरों पर शामिल होना पसंद करते हैं। जहां बुजुर्गों की देखरेख और मनोरंजन से भरपूर कई कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रहता है। हरिभूमि की खास बातचीत में परिवार के सदस्यों ने बताया कि लंबे समय से आश्रम के साथ जुड़े रहने से अब वे बुजुर्ग भी हमारे परिवार का सदस्य बन चुके हैं। जिन बच्चों को दादा-दादी और नाना-नानी का स्नेह नहीं मिल सका, वे आश्रम में समय बिता रहे हैं' आश्रम के प्रबंधक प्रशांत पांडे ने बताया कि इन दिनों आश्रम के सदस्यों को 'आमंत्रित परिवार' नामक कार्यक्रम में बुजुर्गों के साथ विशेष समय बिताने का मौका दिया जा रहा है। जहां हर सप्ताह परिवार के सदस्यों को आमंत्रित किया जाता है। जहां बुजुर्ग उनके लिए अभिनय, गेम्स और मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम तैयार करते हैं।

वृद्धाश्रम में समय बिताकर मिलता है सुकून

पंजवानी परिवार वर्ष 2016-17 से चितवन वृद्धाश्रम से जुड़ा हुआ है। परिवार की सदस्य आंचल पंजवानी बताती हैं कि संस्थान में आयोजित भजन संध्या, तीज-त्योहार, पर्व और मनोरंजन कार्यक्रमों में हमारे परिवार के सभी सदस्य उत्साह से भाग लेते हैं। यहां के बुजुर्गों के चेहरे की मुस्कान जीवन के हर तनाव को दूर कर देती है। अब इतने सालों में वृद्धाश्रम के बुजुर्ग भी घर के सदस्य की तरह लगते हैं। जब वो गले लगाकर आशीर्वाद देते हैं और अगली बार फिर आने को कहते हैं, तो दिल को सुकून मिलता है। यहां के बुजुर्गों को सबसे ज्यादा जरूरत स्नेह और समय की होती है, जिसे हम सब मिलकर पूरा करने का प्रयास करते हैं।

आश्रम में बुजुर्गों की सेवा करना जीवन की पूंजी

इन दिनों अमिताभ दुबे और उनका परिवार वृद्धाश्रम से जुड़कर सेवा भाव का अनूठा उदाहरण पेश कर रहा है, जो लगभग 8-10 वर्षों से आश्रम के साथ जुड़े हुए हैं। अमिताभ दुबे ने बताया कि भगवान की कृपा से हमें इन बुजुर्गों की सेवा करने का अवसर मिला है। आश्रम से जुड़ने के बाद किसी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान की वजह बनने का मौका मिला है। इन दिनों बुजुर्गों को 4-5 सदस्यों की टीम योग कराती है, जहां रोजाना आश्रम में वृद्धों के साथ समय बिताने का अवसर मिलता है। वहीं, दूसरी ओर पत्नी भी महिला समूह के साथ मिलकर अन्य गतिविधियों में शामिल होती हैं। बच्चे समय-समय पर कार्यक्रमों में उपस्थिति होते रहते हैं।

बुजुर्गों संग गार्डन की सैर और पारिवारिक भोजन

आश्रम से जुड़े परिवारों ने बुजुर्गों को न केवल समय देते हैं, बल्कि उन्हें अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। लीला वाढेर ने बताया कि महीने में एक या दो बार सभी बुजुर्गों को गार्डन सैर के लिए ले जाया जाता है, जहां वे बच्चों की तरह खेलों में हिस्सा लेते हैं। उनकी मुस्कान और मस्ती से भरे पल हर किसी को भीतर तक छू जाती हैं। कई बार बुजुर्गों को घर बुलाकर उनके साथ पारिवारिक वातावरण में भोजन भी करने का मौका मिला है। घर के बच्चे उन्हें दादा-दादी और नाना-नानी कहकर संबोधित करते हैं। ऐसे में युवा पीढ़ी में बुजुर्गों का आदर और मूल्यों की समझ गहराई से विकसित हो रही है।

रायपुर प्रवास पर आए शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने दिया संदेश

वर्णाश्रम व्यवस्था पर जिनकी आस्था, वही सच्चे सनातनी, राष्ट्रभाषा का सम्मान करें

रायपुर। चातुर्मास से पहले रायपुर प्रवास पर आए पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती ने कहा कि वर्णाश्रम व्यवस्था पर जिनकी आस्था है, वही सच्चे सनातनी हैं। कुछ इसी तरह के संवाद से रविवार को श्री शंकराचार्य आश्रम श्रीसुदर्शन संस्थानम् रावांभाठा में शंकराचार्य पत्रकार वार्ता से जुड़े। कई राज्यों में चल रहे भाषा विवाद पर उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषा का उपयोग करते हुए राष्ट्र भाषा हिंदी का भी सम्मान करें। प्रदेश से बाहर जाने पर हमें संवाद के लिए राष्ट्र भाषा की जरूरत होगी। इस भाषा विवाद को बढ़ाने के राजनीतिक कारण है। उत्तम कथावाचक के संबंध में कहा कि उन्हें लोभ, भय और कोरी भावुकता से बचना चाहिए। प्रदेश सरकार द्वारा आदिवासियों को गाय देने की नीति के संबंध में कहा कि इस नीति का उपयोग देशी गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए होना चाहिए। गौहत्या देश के लिए भी अभिशाप है।

सच्चा सनातनी कभी भयभीत नहीं होता

धर्मांतरण और मतांतरण में भेद बताते हुए कहा कि धर्मांतरण का सामान्य अर्थ व्यक्ति का अधर्म की गोद में बैठना है। इसका मूल कारण दीनता या गरीबी हो सकती है। लोभ, भय या विवेकहीनता के कारण भी ऐसा कदम लोग उठाते हैं। सनातन वर्णाश्रम व्यवस्था का पालन करने से जीविका सुरक्षित रहती है। इसे अपनाने से धर्मांतरण के मामलों में कमी संभव है। सच्चा सनातनी कभी भयभीत नहीं होता है। वर्णाश्रम व्यवस्था पर जिनकी आस्था है, वही सच्चा सनातनी है। हर हिन्दू परिवार को एक रुपया और एक घंटा समय प्रतिदिन धर्म के लिए निकालना चाहिए।

परस्पर संवाद और सहयोग की जरूरत

मठ-मंदिर या घर को केन्द्र बनाकर शिक्षा, रक्षा, धर्म, संस्कृति संस्थान के रूप में विकसित करने के लिए परस्पर संवाद और सहयोग की जरूरत है। ऐसे काम से समाज में एकजुटता बढ़ेगी और समाज में व्याप्त बहुत सी कठिनाइयों का स्वमेव निराकरण होगा। उन्होंने उक्त संवाद राष्ट्रोत्कर्ष अभियान के लिए चार दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास की कड़ी में किया। सोमवार को प्रवास के अंतिम चरण में सुबह दर्शन, दीक्षा संगोष्ठी के बाद महाराज शाम को इंटरसिटी से जगन्नाथपुरी के लिए रवाना होंगे। वहीं, चातुर्मास्य व्यतीत करेंगे। अंतिम कड़ी में होने वाले आयोजन की जानकारी श्री सुदर्शन संस्थानम पुरी शंकराचार्य आश्रम के मीडिया प्रभारी अरविन्द तिवारी ने दी।

केवल देश पर नहीं, संस्कृति संस्कारों पर भी होते हैं आक्रमण

रायपुर। आक्रमण केवल देश पर नहीं होते। संस्कृति पर, संस्कारों पर भी होते हैं, समाज पर भी होते हैं। जब ऐसा होता है, तब संस्कृति विकृति में बदलने लगती है। संगठन में विघटन होता है। समाज असामाजिक होने लगता है। ये बातें रविवार को प्रथम दादा गुरुदेव जिनदत्त सूरी के

स्वर्गारोहण दिवस पर उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागर महाराज ने कही। उन्होंने विवेकानंद नगर स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि घर में अगर बच्चों को भी थोड़े समय के लिए आजाद कर दें तो उनके संस्कार बिगड़ने लगेंगे। बिगड़ना आसान है, सुधरना बड़ा कठिन है। ऐसी स्थिति भारत की भी होती रही। मुगलों, अंग्रेजों आदि के आक्रमण हुए। इन सबके बाद भी धर्म मिल रहा है, तो यह हम पर बहुत बड़ा उपकार है। यह अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि तारे दिन में भी रहते हैं। दिखते केवल रात में हैं। ऐसे ही जब अरिहंत परमात्मा की प्रत्यक्ष उपस्थिति होती है, तो उनके अलावा बाकी सब गौण हो जाते हैं। एक वक्त आता है अरिहंत परमात्मा का समय भी समाप्त हो जाता है। प्रत्यक्ष उपस्थिति नहीं रहती। उनकी आत्मा सिद्ध, बुद्ध, मुक्त हो जाती है। सूर्य के अस्त होने के बाद तारे नजर आने लगते हैं। वैसे ही अरिहंत परमात्मा के बाद आचार्यों की श्रृंखला चलती है। वे सितारों की तरह चमकने लगते हैं। रात्रि यानी अरिहंत परमात्मा की अनुपस्थिति में हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

जगमगाते रथ पर सवार होकर मौसी के घर से मंदिर पहुंचे प्रभु जगन्नाथ

शहर के पुरानी बस्ती और सदर बाजार क्षेत्र में धूमधाम से निकली बाहुड़ा रथयात्रा

रायपुर। सदर बाजार मार्ग पर शाम को रंगीन लाइटों से जगमगाते रथ पर सवार भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मौसी के घर से अपने श्रीधाम वापस लौटे। हजारों श्रद्धालु इस अद्भुत क्षण के साक्षी बने। श्री जगन्नाथ का रथ खींचने के लिए लोगों में उत्साह देखने लायक था। दोपहर से ही भक्तों की भीड़ बढ़ने लगी थी। श्रद्धालुगण मौसी के घर से वापसी से पहले जगन्नाथ की पूजा करने के बाद रथयात्रा का हिस्सा बनने उत्साही नजर आए। श्रद्धालुओं की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए बड़े पैमाने पर भोग प्रसादी वितरण के लिए व्यवस्था की गई थी। इसे बांटने के लिए युवाओं को जिम्मेदारी दी गई थी। मंदिर परिसर में रथ पहुंचने पर पं. मोहित पुजारी ने पूजा-अर्चना करते हुए आरती में लोगों को शामिल होने का अवसर दिया।

धूमधाम से निकली बाहुड़ा रथयात्रा

कुछ ऐसा ही नजारा टूरी हटरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में भी देखने को मिला। मंत्रोच्चार के साथ लाखेनगर चौक के पास बनाए गए मौसी के घर में पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद धूमधाम से बाहुड़ा रथयात्रा में भारी तादाद में श्रद्धालु शामिल हुए। हर किसी ने रथ खींचने का अवसर प्राप्त किया। जिन भक्तों को रथ खींचने का अवसर नहीं मिला, उन्होंने भी इस धार्मिक उत्सव में सेवा भाव से प्रसाद वितरण और आवाजाही के लिए ट्रैफिक व्यवस्था बनाने में सहयोग दिया। इसी तरह लीली चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर से इस बार भी जोशी परिवार ने पारंपरिक रूट से वापस लौटे। इसे देखते हुए भक्तों ने ग्रुप बनाकर व्यवस्था बहाली में सहयोग दिया।

दत्तात्रेय मंदिर ट्रस्ट ने किया भोग वितरित

जगन्नाथ मंदिर टूरी हटरी से निकाली गई बाहुड़ा रथयात्रा के दौरान दत्तात्रेय मंदिर ट्रस्ट कमेटी ने महाप्रभु जगन्नाथ भोग बाहुडा यात्रा में आए श्रद्धालुओं को वितरित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष हरि वल्लभ अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, अजय तिवारी, राजेश केडिया, चंदू अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, हितेश देवांगन, अमय मुकासदार, पियूष गोयल ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

सिटी स्पोर्ट्स

ओपन नेशनल शूटिंग में अयान ने जीता गोल्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ के होनहार शूटर अयान ख्वाजा ने ऑल इंडिया ओपन नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए,गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। अयान ने प्रतियोगिता में सर्वाधिक अंक अर्जित किए और राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का परचम लहराया। अयान ख्वाजा रायपुर के सड्डू स्थित अविनाश कैपिटल होम के निवासी हैं,उनके पिता अफ़रोज ख्वाजा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण आयोग से जुड़े हुए हैं। देहरादून में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर के सैकड़ों प्रतिभागियों के बीच अयान ने अपने अद्भुत निशानेबाज़ी कौशल से बाज़ी मारी। इस सफलता के पीछे भिलाई के प्रसिद्ध शूटिंग कोच नीरज निखिल साइमन का विशेष योगदान रहा।महज दो माह के सीमित प्रशिक्षण में उन्होंने अयान को प्रतियोगिता के लिए तैयार किया। यह लगातार तीसरी बार है,जब कोच नीरज निखिल साइमन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित खिलाड़ी ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। अयान की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। यह सफलता राज्य में निशानेबाज़ी जैसे खेलों को नया प्रोत्साहन देगी और युवा प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

भव्या और अभिषेक ने जीता एकल का खिताब

भिलाई। शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज प्रांगण में 3 से 5 जुलाई तक आयोजित सीनियर डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन चैंपियनशिप में भव्या सिंह ने अपनी चिर-परिचित प्रतिद्वंदी गौरी एस अय्यर को सीधे सेटों में परास्त किया। पुरुष एकल के संघर्ष पूर्ण मुकाबले में एम.वी.अभिषेक ने जसमीत सिंह को परास्त किया। पूर्व में अभिषेक, शाश्वत त्रिपाठी से एवं जसमीत आर्यन शर्मा से जीत कर फायनल पहुंचे। महिलाओं के सेमीफाइनल मुकाबले में भव्या सिंह ने सदीक्षा को एवं गौरी ने वेदिका ज्ञानी को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पुरूषों का युगल खिताब विवेक साहू और जसमीत सिंह की जोड़ी ने विक्रांत शर्मा और एम वी अभिषेक की जोड़ी को सीधे सेटों में परास्त किया। साथ ही जिले के अंडर 13 आयु वर्ग के खिलाड़ियों में मैच खेलने का अनुभव लाने एकल प्रतियोगिता भी रखी गई। इसमें अथर्व अमितेष ने सभ्य कुमार ध्रुव को दो सेटों में एवं बालिकाओं के एकल में दर्शिता जैन ने अराध्या देवांगन को संघर्ष पूर्ण तीन सेटों में परास्त किया। उद्योगपति उमेश चितलांग्या के मुख्य आतिथ्य एवं अनिल शुक्ला, समन्वयक अधि/कर्म, फेडरेशन, चिरंजीव जैन, सचदेवा कोचिंग प्रमुख के विशेष आतिथ्य में प्रतियोगिता हुई। इस दौरान 12 एवं 13 जुलाई को जिले के अंडर-11 एवं 13 के बच्चों के लिए युगल की प्रतियोगिता कराने की घोषणा की गई। जिला बैडमिंटन संघ की सह सचिव प्रीती अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय रग्बी प्रतियोगिता में खेलेंगे टिकेश्वरी और श्रद्धा

रायपुर। देहरादून उत्तराखंड में 08 से 13 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय रग्बी प्रतियोगिता के लिए स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा-बेमेतरा की टिकेश्वरी निर्मलकर और श्रद्धा मरकाम का नाम चयन हुआ है। राष्ट्रीय टीम में चयन होने पर प्राचार्य दुष्यन्त कुमार परगनिहा, सरपंच चंद्रशेखर परगनिहा, ओम प्रकाश सिन्हा, उपसरपंच बलिराम धीवर, अध्यक्ष शाला विकास समिति श्रीमती संध्या परगनिहा, शिप्रा सरकार, रामेश्वरी साहू, व्यायाम शिक्षक आकाश वर्मा ने शुभकामनाए दी है। यह जानकारी स्कूल के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव ने दी।

जिला स्तरीय बैडमिंटन के सेमी फाइनल में हुए रोमांचक मुकाबले

रायपुर। जिला स्तरीय के बैडमिंटन स्पर्धा विभिन्न आयु वर्ग में सप्रे शाला स्कूल में जारी है। प्री क्वार्टर फाइनल और सेमीफइनल के मुकाबलों में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने मिला। 19 वर्ष आयु समूह बालक वर्ग एकल प्री क्वाटर फाइनल में सुशांत उके ने आरुष सचदेव को 15-12,15-12 से ,श्रेयश यादव ने समर्थ वर्मा को 15-4,15-9 से, अथर्व शर्मा ने अभिरूप बनर्जी को 15-5,15-11 से हराया।

पेट का असंतुलन आज एक बड़ी समस्या

लाख कोशिशों के बाद भी कम नहीं हो रही बैली फैट, आपकी फूड हैबिट्स हो सकती है जिम्मेदार

अगर लगातार कोशिशों के बाद भी आपका बैली फैट कम नहीं हो रहा है तो हो सकता है कि इसके पीछे आपकी कुछ फूड हैबिट्स जिम्मेदार हों। जब हम वजन कम करना शुरू करते हैं तो जिद्दी बैली फैट सबसे ज्यादा परेशान करता है। अमूमन इस बैली फैट से छुटकारा पाना इतना आसान नहीं होता है। कई बार लोग वजन कम करने और बैली फैट को गायब करने के लिए दिनभर में तीन-चार कप ग्रीन टी पी जाते हैं या फिर अपना मील स्किप करना शुरू कर देते हैं, जिससे कैलोरी कम इनटेक कर पाएं। लेकिन इनसे भी कुछ नहीं होता है। अक्सर वजन तो कम होता है, लेकिन बैली फैट जाने का नाम ही नहीं लेता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही हो रहा है तो आपको बिल्कुल भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। अधिकतर लोगों के साथ यह समस्या होती है।

कई बार लोग ध्यान नहीं देते हैं, लेकिन उनकी कुछ फूड हैबिट्स की वजह से उनका बैली फैट कम नहीं हो पाता है। जी हां, दिन में स्वाद के चक्कर में कुछ ज्यादा ही चावल खा लेना या फिर दिनभर में 3-4 कप मीठी चाय पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। कुछ लोग तो यह भी मानते हैं कि वो तो घर का बना खाना खाते हैं, लेकिन फिर भी उनका बैली फैट गायब क्यों नहीं होता। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको कुछ ऐसी ही फूड हैबिट्स के बारे में बता रही हैं, जिनकी वजह से आपका बैली फैट कम नहीं हो पाता है।

जरूरत से ज्यादा कार्ब्स लेना

यह सच है कि कार्ब्स शरीर के तीन मुख्य मैक्रोन्यूट्रिएंट्स में से एक है और इससे शरीर को एनर्जी मिलती है। लेकिन बहुत अधिक कार्ब्स लेना भी अच्छा नहीं माना जाता है। कुछ लोग दिनभर पोहा, उपमा, पराठा, रोटी या चावल दाल खाना पसंद करते हैं। लेकिन इससे शुगर तेजी से बढ़ती है और फिर गिरती है, जिससे आपको और ज्यादा भूख लगती है। साथ ही साथ, इससे इंसुलिन रेसिस्टेंस भी बढ़ता है और ऐसे में पेट की चर्बी कम होने का नाम नहीं लेती। इसलिए, कोशिश करें कि आप बैलेंस्ड मील लें, जिसमें कार्ब्स के साथ-साथ प्रोटीन और फाइबर भी ज़रूर हो।

एक्सपर्ट की राय

हेल्दी फूड के नाम पर पैक्ड आइटम्स खाना

आजकल मार्केट में हेल्दी और डाइट के लेबल के नाम पर बहुत सी पैक्ड आइटम्स मिलती हैं। अक्सर लोग हेल्दी लेबल को पढ़कर इन्हें बिना सोचे-समझे खरीद लेते हैं। लेकिन इस तरह की डाइट नमकीन, बिस्कुट या खाखरा आदि में छिपी हुई चीनी, खराब फैट और नमक बहुत ज़्यादा पाया जाता है, जो आपकी सेहत को काफी नुकसान पहुंचाता है। साथ ही साथ, इसकी वजह से बैली फैट कम होने की जगह बढ़ने लगता है। अगर आपका स्नैकिंग का मन है तो ऐसे में आप भुना चना, मखाना या खीरे व पनीर की चाट आदि खाएं।

खाने का कोई निश्चित समय ना होना

भले ही आप हेल्दी फूड खाते हैं, लेकिन आपके खाने की कोई टाइमिंग्स नहीं है तो भी आपको बैली फैट कम करने में मुश्किल हो सकती है। कई बार लोग नाश्ता स्किप कर देते हैं तो कभी लेट नाइट डिनर करते हैं। हालांकि, जब आप ऐसा करते हैं तो इससे आपका मेटाबॉलिज़्म गड़बड़ा जाता है और फैट कम करना काफी मुश्किल हो जाता है। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप अपने खाने का एक रूटीन बनाएं और लंबे गैप से बचें।-

कई कारक बैली फैट को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। खराब खानपान के अलावा एक और कारक है, जो बैली फैट को बढ़ा देता है। यह है तनाव के दौरान निकलने वाला हॉर्मोन कॉर्टिसोल। कॉर्टिसोल का हाई लेवल और लो लेवल दोनों कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। हाई कॉर्टिसोल लेवल पेट पर जमा हो रही चर्बी का कारण बन सकता है। इन दिनों कोर्टिसोल बैली फैट के रूप में खूब ट्रेंड कर रहा है। यदि आप लगातार तनाव में रह रही हैं, तो कोर्टिसोल बैली फैट को कम करना मुश्किल हो जाता है। इसे एक्सपर्ट के बताये उपायों से कम किया जा सकता है।

क्या है कोर्टिसोल बैली फैट

सीनियर सायकोलॉजिस्ट और कडबम हॉस्पिटल्स, बंगलूरू की कार्यकारी निदेशक नेहा कडबम बताती हैं, 'कोर्टिसोल बैली फैट को स्ट्रेस बैली भी कहा जाता है।

हेल्दी आदतें ही रखेंगी बीमारियों से कोसो दूर

लगभग सभी लोग एक अच्छी जीवनशैली जीना चाहते हैं और हर व्यक्ति की नजरों में एक अच्छी जीवन शैली की परिभाषा अलग हो सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि एक हेल्दी जीवनशैली में कौन-कौन सी आदतें होनी चाहिए। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज की आधुनिक जीवनशैली में स्वस्थ रहना अपने आप में एक बड़ी चुनौती बन चुका है। फास्ट-फूड, सेडेंट्री लाइफस्टाइल और अधिक स्क्रीन टाइम हमारी सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में बहुत से लोगों के दिमाग से सवाल आता है कि एक स्वस्थ जीवन शैली कैसी होनी चाहिए और इसमें कौन-कौन सी आदतें होनी चाहिए? आइए इस लेख में इसी सवाल का जवाब जानते हैं। दरअसल, एक स्वस्थ जीवनशैली में वो सभी आदतें होनी चाहिए जो आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को स्वस्थ रखता हो। ये आदतें न केवल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत करती हैं, बल्कि हृदय रोग, डायबिटीज और तनाव जैसी आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी गंभीर समस्याओं के जोखिम को भी काफी हद तक कम करती हैं। ये छोटी-छोटी आदतें ही वास्तव में एक अच्छी और स्वस्थ जीवनशैली का आधार हैं, जो आपको बीमारियों से कोसों दूर रख सकती हैं। ऐसी ही चार महत्वपूर्ण हेल्दी आदतों के बारे में आपको जानना चाहिए, जो हर किसी की लाइफस्टाइल का हिस्सा होना चाहिए।

नियमित व्यायाम

व्यायाम स्वस्थ जीवन का आधार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता का व्यायाम, जैसे तेज टहलना, साइकिलिंग या योग, करना चाहिए। यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है, और मांसपेशियों को मजबूत करता है। रोजाना 30-40 मिनट का टहलना या योगासन, जैसे सूर्य नमस्कार, तनाव कम करते हैं और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं। इसलिए व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

संतुलित आहार

संतुलित आहार स्वास्थ्य की नींव है। डाइट में हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज, प्रोटीन (दाल, पनीर, अंडे) और हेल्दी फैट (नट्स, एवोकाडो) शामिल करें। चीनी, तले-भुने खाद्य पदार्थ और प्रोसेस्ड फूड से बचें। नाशपाती, सेब और जामुन जैसे मौसमी फल इम्यूनिटी बढ़ाते हैं, इसलिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल करें। रोजाना 2-3 लीटर पानी पिएं, जो शरीर को हाइड्रेट रखता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि रोज एक तय समय पर ही भोजन करें।

पर्याप्त नींद

नींद की कमी तनाव, मोटापा और कमजोर इम्यूनिटी का कारण बनती है। रोजाना 7-8 घंटे की गहरी नींद जरूरी है। यह मस्तिष्क को तरोताजा रखती है, हार्मोनल संतुलन बनाए रखती है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। सोने से पहले स्क्रीन टाइम (मोबाइल, टीवी) कम करें और शांत वातावरण बनाएं।

भुट्टा उबालने के ये ट्रिक्स हैं बड़े काम के, दाने होंगे बेहद मीठे और नरम

आपने नोटिस किया होगा कि बाजार में मिलने वाले भुट्टे सॉफ्ट होते हैं और उनका स्वाद भी मीठा होता है, लेकिन घर पर उबाले हुए भुट्टे अक्सर हार्ड जाते हैं। इस लेख में हम आपको बताने वाले कि आप किस तरह से भुट्टे को नरम तरह से उबाल सकती हैं।बारिश की बूंदों को निहारते हुए भुट्टे खाने का मजा ही कुछ और होता है। सड़क किनारे ठेले पर मिलने वाले भुट्टे तो हम बड़े चाव से खाते हैं। उनके भुट्टे स्वादिष्ट लगते हैं। दानों में मिठास होती है और वो नरम लगते हैं। मगर ऐसा स्वाद अक्सर हमें घर पर नहीं मिल पाता। कभी भुट्टा सख्त निकल आता है, तो कभी उसमें वो मनचाही मिठास नहीं आती।

क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ भुट्टा खाकर मन अजीब हो जाए। वो जायका न मिल पाए जिसकी आपको उम्मीद है, तो मन खराब होता ही है। मगर अब चिंता न कीजिएगा, क्योंकि आज हम आपको भुट्टा उबालने की ऐसी दो कमाल की ट्रिक्स बताने जा रहे हैं, जो आपके भुट्टे को न सिर्फ एकदम मुलायम और रसदार बना देंगी, बल्कि उनमें प्राकृतिक मिठास भी घोल देंगी। ये ट्रिक्स इतनी आसान हैं कि इन्हें आजमाने के बाद आप बाजार से भुट्टा लाना भूल जाएंगे और घर पर ही हर बार परफेक्ट मीठा भुट्टा तैयार करेंगी।

दूध बनाएगा भुट्टे को सॉफ्ट और मीठा

यह ट्रिक सुनकर आपको शायद थोड़ा अजीब लगे, लेकिन यह भुट्टे को उबालने का एक आजमाया हुआ और बेहद कारगर तरीका है। इससे भुट्टा न सिर्फ मुलायम बनता है, बल्कि उसकी मिठास भी कई गुना बढ़ जाती है।

दूध और पानी के मिश्रण में उबला हुआ भुट्टा नरम, रसदार और मीठा होता है। दूध में मौजूद लैक्टोज और फैट भुट्टे के स्टार्च को तोड़ने में मदद करते हैं, जिससे वह नरम होता है और चीनी मिठास ऐड करती है। यह तरीका उन भुट्टों के लिए खास तौर पर फायदेमंद है जो थोड़े पुराने या सख्त हो गए हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

एक बड़े बर्तन में पानी के साथ थोड़ा दूध मिलाएं। आप 3:1 या 4:1 का रेशियो रख सकती हैं यानी तीन या चार कप पानी के साथ एक कप दूध। अगर आपके पास दूध कम है, तो पानी की मात्रा थोड़ी कम कर दें और रेशियो वही रखें। अब इस पानी और दूध के मिश्रण में बिल्कुल थोड़ी-सी चीनी और एक छोटा चम्मच मक्खन डालें। मक्खन में नमक नहीं होना चाहिए। यह भुट्टे को नरम बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

धन हानि से बचना है तो शाम के वक्त न करें ऐसा दान, ज्योतिष ने बताए उपाय

अगर आपको भी लगता है कि धन की हानि हो रही है, तो ऐसे में आप शाम के समय कुछ ऐसी खास चीजों का दान न करें, जिससे आपके ऊपर संकट आ जाए। इस बारे में पंडित जन्मेश द्विवेदी बता रहे हैं कि आखिर शाम के समय किन चीजों का दान निषेध होता है।

तुलसी को न करें दान

अक्सर ऐसा कहते हैं कि तुलसी माता के रूप में पूजनीय होती है। इसे हमारे धर्म में पवित्र माना जाता है। इसलिए जब भी तुलसी लगाते हैं, तो इसका दान नहीं करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तुलसी को देने का मतलब होता है कि आप अपने घर से धन को दे रहे हैं। ऐसे में शाम के समय तुलसी के पौधे को किसी को भी दान न करें। इससे घर में नकारात्मकता आ सकती है। आप इसे देने के लिए साफ मनाही भी कर सकते हैं।

शाम के समय दही का न करें दान

आपको कभी भी शाम के समय दही का दान नहीं करना चाहिए। दही को चंद्र का कारक माना जाता है। यह वस्तु आपके जीवन में धन की हानि का कारण बन सकती है। इसलिए अगर आपको जीवन में स्थिरता लानी है, तो आपको इसे शाम के समय दान नहीं देना चाहिए। इससे आपकी ऊर्जा पॉजिटिव बनी रहेगी।

शाम क समय नमक का न करें दान

नमक को घर में नेगेटिविटी को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसे ऊर्जा और संतुलन से जोड़कर देखा जाता है। वास्तु के अनुसार अगर आप शाम के समय इसका दान रते हैं, तो इससे घर में कलर, आर्थिक तंगी और स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। यह आपके शुक्र और राहु को भी खराब कर सकता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'स्क्विड गेम-3' अंतिम सीजन की झलक देख फैंस बोले- इंतजार है, आया ट्रेलर

'सक्विड गेम' के निर्माताओं ने सीरीज के तीसरे और अंतिम सीजन का ट्रेलर जारी किया है, जिसमें ली जुंग-जे द्वारा निभाया गया खिलाड़ी 456 गी-हुन सीजन 2 में अपने सबसे अच्छे दोस्त जुंग-बे को मार डालने के बाद गेम को खत्म करने के लिए लड़ाई जारी रखेगा। दो मिनट के इस दमदार ट्रेलर में गी-हुन को आखिरकार फ्रंट मैन की पहचान के पीछे की विनाशकारी सच्चाई का पता चलता है, जिसे दर्शक पहले से ही जानते हैं, यह इन-हो है, जिसने सीजन 2 में सक्विड गेम का प्रतियोगी और गी-हुन का दोस्त होने का नाटक किया था।

ट्रेलर की शुरुआत में गी-हुन गार्ड के एक ग्रुप से यह कहते हुए पागलों की तरह पूछता है, ₹तुमने मुझे क्यों नहीं मारा? तुमने मुझे जिंदा क्यों रखा? तुमने मुझे जिंदा क्यों रहने दिया?₹ गार्ड उसे जमीन पर गिरा देते हैं और इन-हो देखता रहता है। "सक्विड गेम" सितंबर 2021 में नेटफ्लिक्स पर शुरू हुआ और जल्दी ही ग्लोबल हिट बन गया।

सीजन-1 स्ट्रीमर का अब तक का दूसरा सबसे ज़्यादा देखा जाने वाला टीवी सीजन है, और सीज़न 2 दिसंबर 2024 के प्रीमियर के बाद तीसरा सबसे ज़्यादा देखा जाने वाला सीज़न बन गया। वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, नेटफ्लिक्स का एकमात्र ऐसा शीर्षक जिसे सबसे ज़्यादा दर्शक मिले हैं, वह है "वेडनेसडे" का सीज़न 1। कोरियाई ड्रामा ह्वांग डोंग-ह्युक द्वारा बनाया गया था, जो लेखन, निर्देशन और निर्माण भी करते हैं। ली जंग-जे और ली ब्युंग-हुन के साथ, कलाकारों में यिम सी-वान और कांग हा-न्यूल है।

टॉलीवुड

तृप्ति -प्रभास की 'स्पिरिट' जल्द ही आएगी फ्लोर पर, वांगा के भाई ने किया कंफर्म

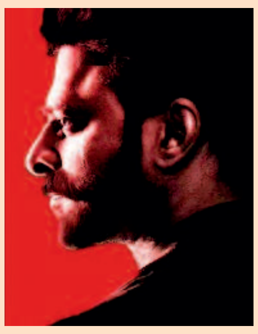

साउथ एक्टर प्रभास अपनी आगामी फिल्म 'स्पिरिट' में निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम कर रहे हैं। यह उनकी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही प्रशंसकों में उत्साह पैदा कर दिया है। खबर के मुताबिक, हाल ही में अमेरिका में एक इवेंट के दौरान संदीप के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग सितंबर 2025 से शुरू होगी। स्पिरिट प्रभास और संदीप का पहला सहयोग है। इसमें प्रभास के किरदार के लिए खास स्टाइल में बदलाव की जरूरत होगी। इसलिए, संदीप ने प्रभास से पूरी तरह समय मांगा है। फिल्म को एक ही शेड्यूल में शूट करने की योजना है, ताकि कहानी और किरदार की गहराई बनी रहे।

पहले खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म का हिस्सा थीं, लेकिन शेड्यूल और समस्याओं के कारण उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। इसके बाद एनिमल फेम तृप्ति डिमरी को नई फीमेल लीड के रूप में चुना गया। तृप्ति की कास्टिंग को काफी सराहा जा रहा है। फिल्म की कहानी को अभी गुप्त रखा गया है। संदीप की यह फिल्म वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करेगी।

स्पिरिट के अलावा प्रभास 'द राजा साब' नाम की एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जो दिसंबर 2025 में रिलीज हो सकती है। यह फिल्म हल्की-फुल्की और मजेदार होगी। उनकी एक और फिल्म, जिसका नाम संभवतः फौजी है, निर्देशक हनु राघवपुडी के साथ है, जो देशभक्ति और ड्रामा पर आधारित हो सकती है। स्पिरिट के साथ प्रभास और संदीप एक ऐसी फिल्म लाने की तैयारी में हैं, जो एक्शन और भावनाओं से भरपूर होगी। सितंबर में शूटिंग शुरू होने के साथ फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

छॉलीवुड

सिंगिंग स्टार नितिन और शर्मिला का 'मोंगरा के गजरा' हुआ वायरल

छत्तीसगढ़ के वॉइस मेलोडी किंग के नाम से मशहूर गायक, संगीतकार,अभिनेता नितिन दुबे ने अपने जन्मदिन 3 जुलाई को नया गीत ₹मोंगरा के गजरा₹ रिलीज़ किया, ये गीत उनके यूट्यूब चैनल नितिन दुबे ऑफिशियल और सभी ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म पर वर्ल्ड वाइड रिलीज़ हुआ और ये गीत यूट्यूब और सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। ₹मोंगरा के गजरा₹ इंस्टाग्राम पर ट्रेंडिंग पर आ चुका है और सभी संगीत प्रेमी इस गीत पर जमकर रील बना रहे हैं। यूट्यूब पर रिलिज़ होते ही ये गीत दर्शकों की पहली पसंद बन गया है। नितिन दुबे इसके पहले पिछले 3 वर्षों में चाँदनी 2, हाय रे मोर नीलपरी, हाय रे मोर मंदाकिनी जैसे गीत रिलीज कर चुके हैं और इन गीतों ने करोड़ो व्यूज प्राप्त किए हैं। रायगढ़ वाला राजा, चँदा रे, का तैं रूप निखारे चंदैनी, हाय रे मोर कोचईपान, दिल दे दे दुरुगवाली,बर्बाद कर देहे मोला, हाय मोर चाँदनी जैसे कई अनगिनत सुपरहिट मिलियन क्लब सांग नितिन दुबे दे चुके हैं। ₹मोंगरा के गजरा₹ गीत में नितिन दुबे के साथ गायन और लीड एक्ट्रेस के रूप में काम किया है शर्मिला विश्वास ने और साथ ही साथ उन्होंने इस पूरे गीत का कॉस्ट्यूम डिजाइन भी किया है। नितिन दुबे और शर्मिला की सिंगिंग जोड़ी ने कई ब्लॉकबस्टर हिट गीत दिए हैं। मोंगरा के गजरा गीत को संगीत से सजाया है नितिन दुबे ने इस गीत को लिखा है नए गीतकार गोकुल राम साहू ने, इसके डी ओ पी हैं तामेश्वर देव और इस गीत का बेहतरीन कोरियोग्राफी और निर्देशन किया है राम यादव ने।

काला जादू

लाइफ स्टाइल

बेलेंसियागा एक लक्जरी फैशन हाउस है जिसकी स्थापना 1917 में स्पेनिश डिजाइनर क्रिस्टोबल बेलेंसियागा ने की थी। हाल ही में पेरिस में बेलेंसियागा का फॉल कलेक्शन पेश किया गया। जिसमें काले रंग को प्राथमिकता दी गई थी। इस कलेक्शन को लैनविन, लुईस वुईटन, जुनिया वाताबे और फिलिप एंद्रो जैसे मॉडल ने पेश किया। लैनविन की रिबन ड्रेस और लुईस की एक नरम ड्रेप्ड ड्रेस की गर्दन के चारों ओर काली कढ़ाई की गई थी। वहीं जुनिया वाताबे की जर्सी ड्रेस भी मायने रखती है।

कॉफी पावडर से संवारना चाहते हैं चेहरा तो थोड़ा रुकें

कॉफी एक ऐसा पेय पदार्थ है, जिसके सेवन से शरीर की कई दिक्कतें दूर होती हैं। इसका सेवन कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है। पर, क्या आप जानते हैं कि यही कॉफी स्किन केयर में भी इस्तेमाल की जाती है। जी हां, अब तो बाजार में भी कई ऐसे स्किन केयर प्रोडक्ट आते हैं, जिसमें कॉफी अहम तत्व होती है। वहीं कई लोग घरेलू नुस्खों में भी कॉफी का इस्तेमाल लोग काफी ज्यादा करते हैं।

यदि आप भी स्किन केयर में कॉफी का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पहले जान लें कि ये आपके लिए लाभदायक है या नुकसानदायक। इस लेख में हम आपको इस बारे में डिटेल से बताएंगे कि आखिर चेहरे पर कॉफी पर लगाने से क्या होता है।

होती है डीप क्लींजिंग

यदि आप हफ्ते में दो से तीन बार चेहरे पर कॉफी का इस्तेमाल करेंगे, तो इससे आपके चेहरे की डीप क्लीनिंग होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि कॉफी एक नेचुरल स्क्रब की तरह काम करती है। ऐसे में जब आप इसका इस्तेमाल करेंगे तो इससे चेहरा साफ होगा और डेड स्किन हट जाएगी।

डार्क सर्कल होंगे कम

क़ॉफी से कई प्रकार के आई मास्क भी अब बाजार में आते हैं, जिसके इस्तेमाल से आप आंखों के नीचे आए डार्क सर्कल पर इस्तेमाल करेंगे तो ये अवश्य ही कम होंगे। आप कॉफी में गुलाबजल मिक्स करके सीधा भी डार्क सर्कल पर इस्तेमाल कर सकते हैं, ताकि आंखों की सुदंरता कम न हो।

एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर

अगर बेहद कम उम्र में भी आपके चेहरे पर एजिंग के लक्षण दिखने लगे हैं तो कॉफी का इस्तेमाल करें। कॉफी में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करने में मदद करते हैं। इसका फेस मास्क बनाकर आप इस्तेमाल कर सकते हैं, ताकि कम पैसे में ही आपका चेहरा चमक उठे।

स्किन पर होगी जलन

अगर आपकी स्किन बहुत सेंसिटिव है, तब आपको कॉफी के इस्तेमाल से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि संवेदनशील त्वचा वाले कुछ लोगों को कॉफी से एलर्जी या जलन हो सकती है। इसलिए यदि आप इसका इस्तेमाल कर रहे हैं तो पैच टेस्ट करें, ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

हो सकती है स्किन डैमेज

अगर कॉफी स्क्रब को ज्यादा जोर से या बार-बार लगाया जाए, तो इससे स्किन पर माइक्रो कट्स या रैशेज हो सकते हैं। ये दिक्कत जब बढ़ जाती है तो स्किन पर पैच आने लगते हैं, जिससे चेहरा भी देखने मं अजीब लगता है।

इन अभिनेत्रियो की स्टाइल में है कुछ खास जो बना सकता है आपको बेहद स्टाइलिश

आजकल फिल्मों में जेन जी यानि नए दौर की अभिनेत्रियां छाई हुई हैं, जिनके फैशन लुक्स काफी वायरल हैं। आइए आपको भी उनके एथनिक से लेकर वेस्टर्न लुक्स तक दिखाते हैं। जब समय बदलता है, तो उसके साथ लोगों का खान-पान और पहनावा भी बदलता है। खासतौर पर जब बात करें फैशन की तो दशकों के साथ फैशन में काफी बदलाव आता है। बदलते फैशन में हमेशा स्टाइलिश और कूल दिखने के लिए हम सभी अपने पसंदीदा अभिनेता और अभिनेत्रियों से टिप्स लेकर तैयार होते हैं। अब अगर आज के फैशन पर नजर डालें तो आज-कल नयी जनरेशन ने धूम मचाई हुई है। इस नयी जनरेशन को जेन जी जनरेशन कहते हैं। यदि आप भी नयी पीढ़ी की हैं, तो इन नयी अभिनेत्रियों के लुक्स से टिप्स लें, यहां हम आपको कुछ एक्ट्रेस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके लुक्स सबसे बेस्ट हैं।

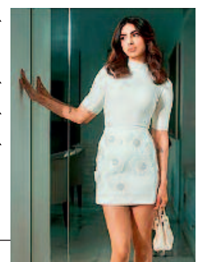

अनन्या पांडे

1998 में पैदा हुंई अनन्या पांडे आज के समय में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनके लुक्स काफी ग्लैमरस होते हैं। वो सिंपल साड़ी से लेकर वेस्टर्न आउटफिट तक को काफी अलग स्टाइल में कैरी करती हैं। तस्वीर पर नजर डालें तो इस डेनिम ऑफ शोल्डर टॉप के साथ ब्लैक स्कर्ट में कमाल की लग रही हैं। इसके अलावा उनका साड़ी लुक भी बेहद खूबसूरत है।

खुशी कपूर

2000 में जन्मीं खुशी कपूर ने कुछ समय पहले ही फिल्मों में डेब्यू किया है। वो अक्सर क्यूट-क्यूट लुक्स में दिखाई देती हैं। उनपर साड़ी के साथ-साथ कोरियन लुक्स कमाल के लगते हैं। खास बात ये है कि जब वो वेस्टर्न आउटफिट पहनती हैं तो उसके साथ अपनी हेयर स्टाइल को भी काफी अलग ही रखती हैं।

राशा थडानी

2005 में पैदा हुईं राशा के गाने हाल ही में काफी धूम मचाई। राशा अक्सर ही ग्लैमरस अंदाज में देखी जाती हैं। उनके साड़ी लुक्स से लेकर वेस्टर्न लुक्स तक काफी अलग और हटकर होते हैं। यदि आपको ग्लैमरस दिखना पसंद है, तो राशा के लुक्स से टिप्स लेकर खरीदारी करें।

लंबे समय तक टिके, खरीदे ऐसी लिपस्टिक

लिपस्टिक एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जिसे हर उम्र की महिला इस्तेमाल करना पसंद करती हैं। यही वजह है कि हर महिला के पास लिपस्टिक का बेहद ही शानदार कलेक्शन होता है। हर महिला ये चाहती है कि जब वो लिपस्टिक लगाए तो ये घंटो टिकी रहे, लेकिन हर बार ऐसा होना ये संभव नहीं है। ऐसा तभी हो सकता है, जब आप लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक इस्तेमाल करें।

ज्यादातर महिलाओं को ये समझ ही नहीं आता कि कौन सी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकेगी और कौन सी नहीं। ऐसे में हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह से अपने लिए अच्छी लिपस्टिक का चयन कर सकती हैं। तो आइए इस बार लिपस्टिक खरीदने से पहले इस लेख को अंत तक पढ़ें।

फॉर्मूला चेक करें

लिपस्टिक हमेशा उसका फॉर्मुला देखकर ही खरीदें। जैसे कि जो मैट, लिक्विड मैट और इंक लिपस्टिक बाजार में मिलती हैं, वो ज्यादा देर तक टिकती है, वहीं अगर आप क्रीमी या ग्लॉसी लिपस्टिक खरीदेंगी तो ये जल्दी हट जाएगी। इसलिए अगर लंबे समय टिकने वाली लिपस्टिक चाहिए तो मैट लिपस्टिक खरीदें।

पैकेजिंग पर ये देखें

लिपस्टिक खरीदते समय उसकी पैकेजिंग पर अवश्य चेक करें। इसमें अगर लॉन्ग वियर, 24H, या स्मज प्रूफ लिखा है, तो मतलब ये लंबा टिकेगी। स्मज प्रूफ लिपस्टिक एक तो लंबे समय तक टिकती है और सबसे खास बात कुछ भी पीने पर ये बर्तन पर निशान नहीं छोड़ती।

स्वॉच टेस्ट करें

इस टेस्ट को लिपस्टिक खरीदने से पहले करता हर कोई है, लेकिन लोगों को इसका नाम नहीं पता होता है। दरअसल, इस टेस्ट के दौरान लिपस्टिक को हाथ पर चेक किया जाता है। इस टेस्ट में लिपस्टिक को हाथ पर लगाएं और 2-3 मिनट बाद रगड़ें। अगर जल्दी हट जाए तो टिकाऊ नहीं है, अगर टिकी रहेगी तो मतलब ये टिकाऊ है।

बरसात में अपने नाखून की देखभाल करें घरेलू तरीके से

बारिश के मौसम में अक्सर जब शरीर गीला रह जाता है, तो नमी की वजह से उसमें खुजली होने लगती है। कई बार तो ये दिक्कत इतनी बढ़ जाती है, कि त्वचा पर लाल चकत्ते पड़ने लगते हैं। पर, क्या आप जानते हैं कि यही नमी आपके नाखूनों में फंगल इंफेक्शन का कारण भी बन सकती है। जी हां, यदि नाखूनों का ध्यान सही से न रखा जाए तो आपके नाखून फंगल इंफेक्शन का शिकार होंगे और कमजोर होकर टूटने लगेंगे। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे नुस्खे, जो आपके नाखूनों को इस खतरनाक इंफेक्शन से बचाकर रखेंगे।

नमी से रहें दूर

ये फंगल इंफेक्शन सबसे ज्यादा नमी की वजह से ही फैलता है। इसलिए इस मौसम में हर समय जूते पहनने से बचें। अगर आप जूते-मोजे ही पहनते हैं तो इन्हें पूरी तरह सुखाने के बाद ही इस्तेमाल करें। खासतौर पर अगर मोजे थोड़े से भी गीले हैं तो इसे तुरंत बदल लें, वरना ये गीले मोजे ही फंगल इंफेक्शन की वजह बन सकते हैं।

सफाई का रखें ध्यान

बारिश के मौसम में गंदा पानी आपके पैरों के साथ-साथ नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें। क्योंकि अगर पैरों में गंदगी चिपक गई तो वो सबसे पहले नाखूनों को डैमेज करती है। इस कारण नाखून अपने आप ही कमजोर होकर टूटने लगते हैं, इसलिए इससे भी बचकर रहें।

खुले फुटवियर पहनें

बारिश के मौसम में जूते पहनने से बचें। इसकी जगह आप ऐसे फुटवियर पहनें, जो हवादार हो। हवादार फुटवियर आपके पैरों की नमी को सुखाने का काम करेंगे, जिस कारण पैरों के नाखून फंगल इंफेक्शन से बचे रहेंगे।

कार्नर न्यूज

बारिश के दिनों में अक्सर सामने आती है त्वचा से जुड़ी समस्याएं

मानसून में स्किन हो जाती है बेजान, थोड़ी सी एहतियात बरतें और पाएं खिला-खिला सा रूप

मानसून खत्म होते ही अक्सर लोगों को त्वचा से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। सर्दियों के आते-आते स्किन पर दाने, सोरायसिस, और रूखी त्वचा जैसी परेशानियां बढ़ जाती हैं। अगर आप भी ऐसी समस्याओं से परेशान हैं, तो अब घबराने की जरूरत नहीं है। मानसून के जाने के बाद अपने शरीर को कैसे रीफ्रेश और एनर्जेटिक रख सकते हैं, यहां कुछ टिप्स बताए जा रहे हैं। इनको फॉलो कर आप अपने बॉडी को हेल्दी रख सकते है- सूखे और बेकरी उत्पादों से बचें,पेट साफ रखें,मौसमी सब्जियों का सेवन करें,नियमित व्यायाम करें,हल्का भोजन करें और पर्याप्त पानी पिएं।

सूखे और बेकरी उत्पादों से बचें

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें मानसून के बाद शरद ऋतु यानी सर्दियों के मौसम में पित्त का प्रभाव ज्यादा होता है, जिससे सोरायसिस जैसी बीमारियां बढ़ जाती हैं। इस मौसम में सूखे और बेकरी उत्पादों का सेवन कम करना चाहिए, क्योंकि ये पित्त को बढ़ाते हैं और त्वचा की समस्याओं को बढ़ावा देते हैं।

पेट साफ रखें

आपका पेट साफ होना बहुत जरूरी है। पेट की साफ-सफाई का सीधा असर आपकी त्वचा पर पड़ता है, इसलिए समय-समय पर पेट को साफ रखें।

मौसमी सब्जियों का सेवन

अपने भोजन में करेला, परवल, आंवला, लौकी, नारियल और अंकुरित अनाज जैसे मौसमी सब्जियों का सेवन बढ़ाएं। ये सब्जियां आपकी त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करती हैं।

नियमित व्यायाम करें

पित्त की अधिकता के कारण इस मौसम में रक्तचाप भी बढ़ सकता है। इसलिए अपने आहार के साथ-साथ नियमित व्यायाम करना भी बहुत महत्वपूर्ण है। इससे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है और त्वचा स्वस्थ रहती है।

हल्का भोजन करें

पित्त रोगों से बचने के लिए हल्का भोजन करना चाहिए। गेहूं की रोटियों की बजाय जौ और मूंग दाल की रोटियों का सेवन करें। इससे आपका पेट हल्का रहेगा और त्वचा की समस्याएं कम होंगी।

पर्याप्त पानी पीएं

इस मौसम में उचित मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी त्वचा को हाइड्रेट रखता है और त्वचा के रोगों से बचाने में अहम भूमिका निभाता है।